www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 249 नई दिल्ली, शनिवार , 04 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

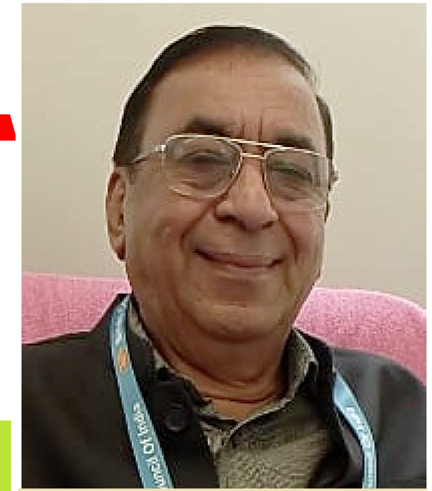

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

संक्षिप्त समाचार

मुर्मु ने किया तीन न्यायिक अधिकारियों को नियुक्त

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संविधान प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद तीन न्यायिक अधिकारियों को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया है। कानून एवं न्याय मंत्रालय ने बताया कि सुनीता गंधम, अलापति गिरिधर तथा पुरुषोत्तम कुमार चिंतालपुडी (सीएच. पुरुषोत्तम कुमार) को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

बेंगलुरु डे-केयर मामले में दो गिरफ्तार

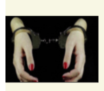

बेंगलुरु। बेंगलुरु के डे-केयर सेंटर में बच्चों से बदसलूकी के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को विजयलक्ष्मी और मंजुला नाम की दो महिला को गिरफ्तार किया। आरोपी वही महिलाएं हैं जो वायरल वीडियो में बच्चों को प्रताड़ित करती नजर आ रही थीं। यह मामला आईटी कंपनी कैपजेमिनी के एचएएल कैंपस स्थित डे-केयर सेंटर का है। बुधवार को वायरल वीडियो में बच्चों को टॉयलेट में बंद कर दिया गया था।

यूएन मुख्यालय के बाहर व्यक्ति ने दी जान

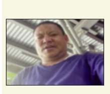

न्यूयॉर्क सिटी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर गुरुवार शाम एक 52 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों और सामने आए वीडियो के मुताबिक, वह व्यक्ति बौद्ध भिक्षु के वेश में था। घटना से पहले उसने संयुक्त राष्ट्र परिसर के पास फुटपाथ पर तिब्बती झंडा रखा और फिर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली।

अभिषेक बनर्जी को अदालत से राहत

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी को जबरन कार्रवाई से दी गई अंतरिम सुरक्षा को बढ़ा दिया। यह मामला बंगाल विस में विपक्ष के नेता के चयन से जुड़े हस्ताक्षर फर्जीवाड़े से जुड़ा है।

ई-रिक्शा रोकने वाले बीएटी-बीएम एप होंगे बंद

नई दिल्ली। ई-रिक्शा को चलते-चलते रोकने वाले चीनी मोबाइल एप्स पर केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने बीएट-बीएमएस, स्मार्ट बीएमएस जैसे एप्स को तुरंत प्ले स्टोर से हटाने का आदेश दिया है। इन एप्स के जरिए कुछ ब्लूटूथ आधारित लिथियम बैटरियों वाले ई-रिक्शा को दूर से बंद किए जाने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। सरकार का कहना है कि जिन अन्य एप्स का भी इसी तरह गलत इस्तेमाल हो रहा है, उन्हें भी बंद किया जाएगा।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना दुर्भाग्यपूर्ण, दोषियों को मिले कठोर दंडः संघ

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसके दोषियों को कठोर दंड दिए जाने की मांग की है। संघ ने मंदिर की व्यवस्था संभाल रहे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को याद दिलाया कि हिंदू समाज की स्वाभाविक अपेक्षा है कि व्यवस्था एवं संचालन की कमियां दूर की जाएं।

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि राम मंदिर के दान पात्रों से जमा राशि की चोरी दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे समूचे समाज और राम भक्तों की भावना एवं श्रद्धा आहत हुई है।

उन्होंने कहा कि संघ सहित संपूर्ण हिंदू समाज की न्यास से स्वाभाविक अपेक्षा है कि इस घोर निंदनीय घटना को असाधारण मान कर गंभीरता से लिया जाए और व्यवस्था एवं संचालन की सभी कमियों को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएं।

राम मंदिर पर करोड़ों रामभक्तों की आस्था एवं श्रद्धा अखंड एवं अटूट बनी रहनी चाहिए। वर्तमान की भ्रम और असमंजस की स्थिति समाप्त होनी चाहिए। होसबाले ने कहा, इस दृष्टि से हमारी अपेक्षा है कि सभी आवश्यक पहल मंदिर प्रबंधन और शासन द्वारा गठित विशेष जांच दल करेंगे।

उन्होंने विश्वास जताया कि वित्तीय प्रबंधन एवं सुचारू संचालन के लिए पारदर्शी व्यवस्था एवं शुद्धता और पवित्रता से परिपूर्ण धार्मिक वातावरण तैयार कर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास हिंदू समाज की आस्था एवं विश्वास को सुदृढ़ बनाए रखेगा।

उन्होंने कहा कि संघ संपूर्ण हिंदू समाज से भी आह्वान करता है कि इस कठिन क्षण में वह आवश्यक धैर्य और संयम का परिचय दे। साथ ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का लाभ उठाकर हिंदू विरोधी, राष्ट्र विरोधी शक्तियों के हिंदू धर्म एवं समाज को बदनाम करने के षड्यंत्रों को विफल करें।

सरकार्यवाह होसबाले ने कहा कि राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष और करोड़ों रामभक्तों के समर्पण, त्याग एवं बलिदान के कारण संपूर्ण हिंदू समाज के लिए श्रद्धा, आस्था और भक्ति का केंद्र बना है। न्यास के निवेदन पर उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल का गठन कर उसकी अनुशंसा पर कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ की है। जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें कठोर दंड हो, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है।

चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर मोदी की चुप्पी जनता के साथ विश्वासघातः कांग्रेस

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का पूरा श्रेय जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद लिया था तो आज चढ़ावे में चोरी की जिम्मेदारी भी उन्हीं को लेनी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी जनता के भरोसे के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है।

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रागिनी नायक बसोया ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राम मंदिर में देश के सबसे गरीब मजदूर से लेकर उद्योगपति तक ने अपनी श्रद्धा के अनुसार मेहनत की कमाई दान की है। यह किसी की व्यक्तिगत संपत्ति नहीं है। इस चोरी को भाजपा के नेता अपना अंदरूनी मामला बताकर दबा नहीं सकते। प्रधानमंत्री को तुरंत सामने आकर देश की जनता को इस महाघोटाले पर जवाब देना होगा।

उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास पर आरोप लगाते हुए कहा कि दान देने वालों से एक हलफनामे पर दस्तखत कराए जा रहे हैं, जिसमें साफ लिखा है कि दान मिलने के बाद न्यास उस पैसे या सामग्री का जैसे चाहे इस्तेमाल करे, दानदाता उस पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। न्यास यह जांचने की भी जहमत नहीं उठा रहा कि दान में आ रहा सोना-चांदी वैध है या अवैध और न ही उसकी कोई पक्की रसीद दी जा रही है।

एटीएस की बड़ी कार्रवाई

गुजरात-मध्य प्रदेश से जैश के आठ आतंकी गिरफ्तार

■ आरोपियों के डिजिटल व वित्तीय रिकॉर्ड खंगालने में जुटीं जांच एजेंसियां

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुजरात और मध्य प्रदेश से जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 8 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आतंकी गुजरात में जैश-ए-मोहम्मद का सक्रिय नेटवर्क तैयार करने की कोशिश कर रहे थे ताकि भविष्य में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके। एटीएस अब इन आतंकियों के नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही हैं। एटीएस का कहना है कि सभी आरोपी जैश-ए-मोहम्मद के लिए नए लोगों को जोड़ने और गुजरात में एक मजबूत नेटवर्क बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

एजेंसी को आशंका है कि इस नेटवर्क का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता था। जांच एजेंसियां आरोपियों के डिजिटल और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले रही है। एटीएस की यह कार्रवाई गुजरात और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ हुई। लंबे समय से जांच एजेंसियां संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। गिरफ्तार आरोपियों में कुछ बनासकांठा जिले के पालनपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं। जबकि कुछ पाटन और नवसारी स्थित मदरसों से जुड़े बताए गए हैं। एक आरोपी मध्य प्रदेश के देवास जिले का निवासी है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अहमद अब्दुल्ला गाजीवाला उर्फ अबू उबैदा, इब्राहिम मोहम्मद हुसैन घाघा उर्फ अबू हमजा, मुदस्सिर अब्दुल्ला गाजीवाला उर्फ अबू आया, जकारिया दुरानी मोहम्मद अम्मार घाघा उर्फ इब्न अम्मार उर्फ जकारिया पालनपुरी, मुफ्ती फौजान इस्माइल दौवा उर्फ मुफ्ती साहब, मोहम्मद अमीन शेरा उर्फ अमीन पालनपुरी आदि शामिल हैं।

सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 52 हजार करोड़ रुपये मंजूर, खरीदे जाएंगे हथियार

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 52 हजार करोड़ रुपये से हथियार खरीदने को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में यह स्वीकृति मिलने से हथियार खरीदे जाएंगे। इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली 'आकाश तरंग' भारतीय सेना की युद्धक क्षमता बढ़ाएगी। सक्रिय सुरक्षा प्रणाली टैंकों की रक्षा प्रणाली को मजबूत करने और काफी समय तक उनकी क्षमता को बढ़ाने में सक्षम होगी। डीएसी की बैठक में रक्षा बलों के लिए लगभग 52 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर विभिन्न अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) यानी सैद्धांतिक प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। भारतीय सेना के लिए मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली 'आकाश तरंग', मानव-चालित टैंक-रोधी निर्देशित मिसाइल (एमपीएटीजीएम) प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) हथियार प्रणाली, बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वी-शोराड्स), टैंकों के लिए सक्रिय सुरक्षा प्रणाली और जेट आधारित कामिकेज ड्रोन प्रणाली की खरीद को मंजूरी दी गई। बहु-स्पेक्ट्रल संवेदन क्षमता से लैस वी-शोराड्स भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की क्षमता और प्रभावशीलता को बढ़ाएगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार जेट आधारित कामिकेज ड्रोन अधिक मारक क्षमता और दीर्घ अवधि तक बेहतर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता प्रदान करते हैं। भारतीय नौसेना के लिए मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (एमआईजीएम), नौसेना शिपबोर्न अनमैन्ड एरियल सिस्टम (एनएसयूएएस) की खरीद और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम के लिए भूमि आधारित परीक्षण सुविधा (एलबीटीएफ) की स्थापना को मंजूरी दी गई। एमआईजीएम दुश्मन की पैंतरेबाजी को नाकाम करने में समक्ष है। उन्नत सेंसरों से लैस एनएसयूएएस भारतीय नौसेना की स्थितिजन्य सतर्कता को बढ़ाएगी। एलबीटीएफ भारतीय नौसेना की परिसंपत्तियों के मोटर्स और संबंधित प्रणोदक प्रणाली की परीक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करेगी।

विपक्ष ने एसआईआर में खामियों को लेकर मुख्य न्यायाधीश को लिखा पत्र, कहा

लोकतंत्र को मोदी-शाह से खतरा

■ इंडिया गठबंधन के 23 दलों ने चुनाव आयोग की भूमिका पर उठाए सवाल
■ एसआईआर मामले पर शीर्ष अदालत से की अपील

लोकतंत्र की रक्षा करना न्यायपालिका की संवैधानिक जिम्मेदारी : केसी वेणुगोपाल

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। एसआईआर को लेकर विपक्षी दल एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर हो गए हैं। अब 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने केंद्र सरकार पर चुनावी लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगाए हुए उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को पत्र लिखा है। पत्र में एसआईआर प्रक्रिया में कथित खामियों और चुनाव संबंधित अन्य मुद्दों पर चिंता जताई है और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इसके साथ ही विपक्ष ने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात करने का भी आरोप लगाया है।

अब इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि देश के चुनावी लोकतंत्र को मोदी-शाह से सबसे बड़ा खतरा है। 28 जून को सीजेआई को लिखे गए पत्र को शुक्रवार को जारी करते हुए केसी वेणुगोपाल ने कहा कि 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को लेटर लिखकर एसआईआर प्रक्रिया में खामियों, भारत के चुनाव आयोग की पक्षपाती भूमिका और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों के बारे में बताया। पत्र में विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की न्यायिक समीक्षा हो। एसआईआर प्रक्रिया की वैधता और निष्पक्षता की जांच की जाए। साथ ही लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए।

भरोसा बना रहे इसलिए संस्थानों को निभानी होगी जिम्मेदारी : कांग्रेस

पत्र में आगे लिखा गया, 'जब संस्थागत तंत्र पूरी तरह विफल हो जाते हैं, तो लोकतंत्र अराजकता में बदल जाते हैं इसलिए, यह हम सभी का दायित्व है कि लोगों का संस्थानों पर विश्वास बना रहे और इसके लिए संस्थानों को अपनी भूमिका निभानी होगी। हम न्यायपालिका पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। वास्तव में, जब हर तंत्र विफल हो जाता है, तब हम अदालतों का रुख करते हैं। जब यह भी विफल हो जाता है, तो यह सवाल उठता है कि अब हम किसकी ओर रुख करें। हम यह सवाल आपके विचार के लिए छोड़ते हैं।

देश की सुरक्षा होगी मजबूत

फोटोः एएनआई

■ 52 हजार करोड़ के रक्षा सौदों को मंजूरी
■ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक

नई दिल्ली,3 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में करीब 52 हजार करोड़ रुपए की रक्षा खरीद योजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई।

इन योजनाओं के तहत थल सेना, नौसेना और वायुसेना को अत्याधुनिक हथियार, मिसाइलें, ड्रोन रोधी प्रणाली, हवाई सुरक्षा प्रणाली और निगरानी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे देश की युद्ध तैयारी और सुरक्षा क्षमता पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी। थल सेना के लिए ड्रोन रोधी इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली आकाश तरंग, कंधे से दागी जाने वाली टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की हवाई सुरक्षा मिसाइल प्रणाली, बेहद कम दूरी की हवाई सुरक्षा प्रणाली, टैंकों की सुरक्षा प्रणाली और जेट आधारित आत्मघाती ड्रोन प्रणाली की खरीद को मंजूरी दी गई है। इससे सेना की मारक क्षमता और सुरक्षा दोनों बढ़ेंगी। करीब 52 हजार करोड़ रुपए की इन रक्षा खरीद योजनाओं का उद्देश्य तीनों सेनाओं को आधुनिक तकनीक और स्वदेशी रक्षा प्रणालियों से लैस करना है। इन प्रणालियों के शामिल होने से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी।

वायुसेना को मिलेगा लंबे समय तक निगरानी करने वाला मंच

वायुसेना के लिए उच्च ऊंचाई पर लंबे समय तक उड़ान भरने वाला विशेष विमानन मंच और अन्य उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी गई है। यह सीमा क्षेत्रों में लगातार निगरानी, जानकारी जुटाने, संचार व्यवस्था और दूर से निगरानी जैसे महत्वपूर्ण कार्य करेगा, जिससे वायुसेना की रणनीतिक क्षमता बढ़ेगी।

शीर्ष अदालत से दिल्ली सरकार को बड़ा झटका

निजी बिजली कंपनियों के कैग ऑडिट पर रोक

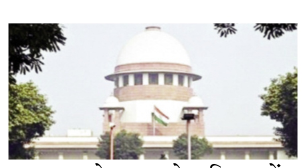

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार द्वारा तीन प्राइवेट बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के कैग ऑडिट के आदेश पर रोक लगा दी। यह मामला उपभोक्ताओं से वसूले जाने वाले 'रेगुलेटरी एसेट्स' (आरए) के तौर पर वर्षों में जमा हुए भारी-भरकम 38,500 करोड़ रुपए से जुड़ा है। जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस चंद्रशेखर की बेंच ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। बेंच ने कहा कि बिजली रेगुलेटर 'दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन' (डीईआरसी) के कैग को नियुक्त करने के फैसले की कानूनी वैधता पर सवाल उठते हैं, जिन पर न्यायिक निर्णय की जरूरत है।

कैग की नियुक्ति से जुड़ा है मामला

बिजली कंपनियों की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और बड़ी रंगनाथन ने कहा कि ऑडिट और रेगुलेटरी एसेट्स की वसूली दो अलग-अलग मुद्दे हैं। दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही अगस्त 2025 के फैसले में 2031 तक रेगुलेटरी एसेट्स के चरणबद्ध निपटान का रोडमैप तय कर चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी अमरनाथ तीर्थयात्रा शुरू होने पर शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमरनाथ तीर्थयात्रा के शुभारंभ पर देश-विदेश के समस्त शिवभक्तों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कामना की कि बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शन की यह पवित्र यात्रा सभी श्रद्धालुओं के जीवन में सुख-समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज एक्स पर लिखा, समस्त शिवभक्तों को पावन-पुनीत श्री अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ की अनंत शुभकामनाएं।बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शन की यह यात्रा आप सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। जय बाबा बर्फानी।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने भगवान अमरनाथ की महिमा का वर्णन करते हुए सुभाषितम् साझा किया, वाग्बुद्धिचित्तकरणैश्च तपोभिरुग्रैः शक्यं समाकलयितुं न यदीयरूपम्। तं भक्तिभावसुलभं शरणं नतानां नित्यं भजाम्यऽमरनाथमहं दयालुम्॥

इस सुभाषितम् का अर्थ है कि भगवान अमरनाथ का वास्तविक स्वरूप वाणी, बुद्धि, मन अथवा कठोर तपस्या के बल पर भी पूर्णतः जाना या समझा नहीं जा सकता। वे केवल निष्कपट भक्ति और समर्पण भाव रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए सहज सुलभ हैं। ऐसे करुणामय भगवान अमरनाथ की शरण में रहकर उनका नित्य स्मरण और भजन करना ही भक्त का परम सौभाग्य है।

खामेनेई को आखिरी विदाई दे रहा ईरान

■ भारत से पहुंचे धर्मगुरुओं ने दी श्रद्धांजलि

तेहरान,3 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान अपने मारे गए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए हफ्ते पर चलने वाला अंतिम संस्कार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसमें लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अंतिम संस्कार कार्यक्रम चार जुलाई को शुरू होगा, जो 9 जुलाई को पवित्र शहर मशहद में उन्हें दफनाने के साथ पूरी होगी। शुक्रवार को भारत से पहुंचे धर्म गुरुओं ने भी ईरान के सुप्रीम लीडर की श्रद्धांजलि दी। भारत में स्थित ईरानी दूतावास ने इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। इसमें भगवाधारी हिंदू, पगड़ीधारी सिख धर्म गुरु श्रद्धांजलि देते नजर आए। धार्मिक नेताओं के अलावा राजनेता और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने भी खामेनेई को श्रद्धांजलि दी।

एनर्जी ड्रिंक के दावों पर एफएसएसएआई सख्त, कई बेवरेज ब्रांड्स को नोटिस

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खुद को एनर्जी ड्रिंक बताने वाले कई बेवरेज ब्रांड्स को मिसब्रांडिंग और भ्रामक दावों के आरोप में नोटिस जारी किया है। एफएसएसएआई के अनुसार, इन उत्पादों की ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार में ऐसे दावे किए गए, जो खाद्य सुरक्षा एवं लेबलिंग नियमों के अनुरूप नहीं पाए गए। इनमें रेड बुल एनर्जी ड्रिंक, स्टिंग एनर्जी ड्रिंक, मॉन्स्टर एनर्जी, कैंपा गोल्ड बूस्ट, एड्रेनालाइन रश, हैल एनर्जी शामिल है।

नियामक ने संबंधित कंपनियों से जवाब मांगा है और निर्देश दिया है कि वे भ्रामक दावों तथा गलत ब्रांडिंग को तुरंत सुधारें। नियामक ने इन कंपनियों की मार्केटिंग, लेबलिंग और प्रचार पर कड़ी आपत्ति जताई है।

नोटिस में कहा गया है कि गैर-मान्यता प्राप्त शब्दः भारत में एनर्जी ड्रिंक नाम की कोई आधिकारिक खाद्य श्रेणी मौजूद नहीं है। भ्रामक दावे खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत भोजन या पेय पदार्थों पर दिमाग और शरीर में स्फूर्ति, फोकस बढ़ाना, ऊर्जा स्तर को बूस्ट करना या आम कमजोरी दूर करना जैसे चिकित्सीय या कार्यात्मक दावे करना प्रतिबंधित है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता तजिंदर बग्गा ने ई-रिक्शा की बैटरियों को बंद कर रहे बैट-बीएमएस ऐप को तत्काल बंद करने की मांग

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय सचिव तजिंदर बग्गा ने ई-रिक्शा एवं इलेक्ट्रिक वाहनों को दूर से बंद करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल एप्लिकेशन बैट-बीएमएस ऐप को तत्काल बंद करने की मांग की है। इस लेकर उन्होंने शुक्रवार को केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। भाजपा नेता तजिंदर बग्गा ने पत्र में कहा कि बैट-बीएमएस ऐप नामक मोबाइल एप्लिकेशन का दुरुपयोग कर कुछ लोग ब्लूटूथ के माध्यम से ई-रिक्शा एवं अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों को दूर से बंद कर रहे हैं। इस संबंध में सोशल मीडिया पर अनेक वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। इस प्रकार की हरकतों के कारण ई-रिक्शा चालक बीच रास्ते में फंस जाते हैं, उनका काम प्रभावित होता है और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। जो लोग दिनभर की कमाई पर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं, उनके लिए यह अत्यंत गंभीर समस्या है। तजिंदर बग्गा ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कई वीडियो अत्यंत हृदयविदारक हैं। इनमें ई-रिक्शा चालक बीच सड़क पर फंसे हुए, मदद के लिए भटकते हुए तथा कई मामलों में रोते हुए दिखाई दे रहे हैं। अपनी दैनिक आय पर निर्भर इन मेहनतकश लोगों के साथ इस प्रकार का व्यवहार न केवल अमानवीय है, बल्कि उनके सम्मान और आजीविका पर भी सीधा आघात है। जिसे कुछ लोग प्रैंक के नाम पर प्रचारित कर रहे हैं, वह वास्तव में गरीब परिवारों की रोजी-रोटी से खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि चलते हुए वाहन को अचानक बंद कर देना बेहद खतरनाक है, इससे सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं। यह वास्तव में सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। तजिंदर बग्गा ने बैट-बीएमएस ऐप को तत्काल बंद करने तथा गूगल प्ले स्टोर, एप्पल ऐप स्टोर एवं अन्य प्लेटफॉर्म्स से हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने ईवी सब्सिडी पोर्टल का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली ईवी सब्सिडी पोर्टल का शुभारंभ किया। दिल्ली सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी-2026 की आधिकारिक पुस्तिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार स्वच्छ, आधुनिक और सतत परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, परिवहन आयुक्त निहारिका राय सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित कहा कि ईवी नीति आम नागरिक को केंद्र में रखकर तैयार की गई है, जिसमें दोपहिया, तिपहिया, निजी कारों और वाणिज्यिक (कमर्शियल) वाहनों के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं। साथ ही एन-1 और एन-2 श्रेणी के वाणिज्यिक वाहनों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ईवी पोर्टल के माध्यम से पात्र लाभार्थी वाहन खरीदने और आरसी प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद 60 दिनों के भीतर डीबीटी के माध्यम से सब्सिडी उनके बैंक खातों में उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। दिल्ली ईवी सब्सिडी पोर्टल को नागरिकों के लिए सरल, तेज, पारदर्शी एवं पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है ताकि पात्र लाभार्थी घर बैठे ही सभी सेवाओं का लाभ उठा सकें। पूरी प्रक्रिया पेपरलेस, पारदर्शी और सिटीजन सेंट्रिक बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पोर्टल पर नागरिकों और संस्थानों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीद प्रोत्साहन और अन्य लाभों के लिए घर बैठे ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध होगी। आवेदक अपने आवेदन की प्रत्येक चरण की स्थिति रियल-टाइम में ऑनलाइन ट्रैक कर सकेंगे, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहेगी। आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी), मतदाता पहचान पत्र आदि सुरक्षित रूप से ऑनलाइन अपलोड किए जा सकेंगे, जबकि संस्थानों के लिए जीएसटीआईएन, पैन और बैंक विवरण अपलोड करने की सुविधा भी दी गई है। उन्होंने कहा कि यह पूरी व्यवस्था डिजिटल और पेपरलेस होगी। पात्र लाभार्थियों को स्वीकृत प्रोत्साहन राशि आधार-सत्यापित डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी। सभी आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर, अधिकतम 60 दिनों में प्रोत्साहन राशि उपलब्ध करा दी जाएगी। इसके अलावा पोर्टल पर दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2026 से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां जैसे पात्रता, वाहन श्रेणियों के अनुसार सब्सिडी, अनुमोदित ईवी मॉडलों की सूची, आवश्यक दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया और अन्य दिशा-निर्देश, एक ही मंच पर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार अगले चार वर्षों में नई ईवी नीति के क्रियान्वयन पर 7,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। इसके तहत खरीद प्रोत्साहन, स्क्रैपिंग प्रोत्साहन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट जैसे प्रावधान किए गए हैं, जिससे पात्र इलेक्ट्रिक वाहन खरीदारों को बड़े पैमाने पर आर्थिक लाभ मिलेगा।

स्वच्छ हवा, स्वस्थ दिल्ली परियोजना सितंबर से, विश्व बैंक 65 प्रतिशत वित्तीय सहायता कराएगा उपलब्ध

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार विश्व बैंक के सहयोग से स्वच्छ हवा, स्वस्थ दिल्ली परियोजना सिंतबर से शुरू करने जा रही है। यह पर्यावरण विभाग की सात वर्षीय परियोजना है, जिसे विश्व बैंक सहित बहुपक्षीय संस्थाओं के सहयोग से लागू किया जाएगा। इसकी कुल अनुमानित लागत 8,300 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि परियोजना की तैयारियों को अंतिम रूप देने और सभी हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए 10 जुलाई को एक विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों की भूमिकाएं तय की जाएंगी और कार्यक्रम के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन की रूपरेखा पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना सितंबर 2026 से अगस्त 2033 तक दिल्ली के सभी जिलों में लागू की जाएगी। इसकी कुल अनुमानित लागत 8,300 करोड़ रुपये है, जिसमें 65 प्रतिशत वित्तीय सहायता विश्व बैंक उपलब्ध कराएगा, जबकि 35 प्रतिशत राशि दिल्ली सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के तहत परिवहन, सड़क की धूल, निर्माण एवं ध्वस्तीकरण (सीएंडडी) अपशिष्ट, ठोस कचरा प्रबंधन, उद्योग, हरित क्षेत्र और जल प्रदूषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर काम किया जाएगा।

अवैध कब्जों और अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने का निर्देश

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने अवैध कब्जों और अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने शुक्रवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की सलाहकार परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में राष्ट्रीय राजधानी में सतत शहरी विकास के रोडमैप की समीक्षा पर चर्चा की गई। इस बैठक में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, सुधांशु त्रिवेदी डीडीए के उपाध्यक्ष डॉ. एन. सरवन कुमार और केंद्र एवं दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि दिल्ली के आगामी मास्टर प्लान, नागरिक और संस्थागत ढांचे को मजबूत करने और शहर के लिए नियोजित, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार विकास सुनिश्चित करने पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को को निर्देश दिया कि वे जमीन के टुकड़ों और इमारतों की रियल-टाइम निगरानी के लिए तकनीति का इस्तेमाल करके अवैध कब्जों और अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाएं, ताकि इनका तुरंत पता चल सके और तेजी से कार्रवाई की जा सके।

दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का भंडाफोड़, नेपाल बॉर्डर से आती थी चरस

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। दक्षिण जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ ने राजधानी में सक्रिय एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 8.598 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता की चरस बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत करीब नौ करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस का दावा है कि यह गिरोह भारत-नेपाल सीमा के रास्ते चरस दिल्ली लाकर राजधानी और एनसीआर के विभिन्न इलाकों में सप्लाई करता था। तस्करी का पूरा नेटवर्क व्हाट्सएप, डिजिटल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान के जरिए संचालित किया जा रहा था। इस मामले में कोटला मुबारकपुर थाने में एफआईआर संख्या 129/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20, 25 और 29 में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस

गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों, नेपाल में बैठे सप्लायर और दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय खरीदारों की पहचान करने में जुटी है। आरोपितों की पहचान ज्योति पुन मगर, भारत थापा और गोविंद बुद्धागुप्त के रूप में हुई है।

दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि स्पेशल स्टाफ को कुछ दिन पहले सूचना मिली थी कि कोटला मुबारकपुर इलाके में रहने वाले तीन नेपाली नागरिक बड़े स्तर पर चरस की तस्करी कर रहे हैं। यह भी जानकारी मिली कि आरोपितों के पास भारी मात्रा में मादक पदार्थ मौजूद है और जल्द ही इसकी सप्लाई दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में की जानी है। सूचना मिलने के बाद स्पेशल स्टाफ ने कई दिनों तक आरोपितों की गतिविधियों पर नजर रखी। उनके आने-जाने, मिलने-जुलने वालों और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी की गई। सूचना पूरी तरह पुख्ता होने के बाद 29 जून को पुलिस टीम ने आरोपितों के ठिकाने पर योजनाबद्ध तरीके से छापा मारा।

छापेमारी के दौरान तीनों आरोपित मौके पर ही पकड़ लिए गए। तलाशी लेने पर उनके पास से कुल 8.598 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता की चरस बरामद हुई। बरामदगी के बाद पुलिस ने मौके पर ही सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए चरस को जब्त कर लिया और आरोपितों को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में पुलिस को पता चला कि गिरफ्तार आरोपित ज्योति पुन मगर पूरे नेटवर्क का मुख्य संचालक था। वही नेपाल में बैठे सप्लायर से संपर्क करता था और भारत-नेपाल सीमा के सोनौली बॉर्डर के रास्ते चरस दिल्ली तक मंगवाता था। दिल्ली पहुंचने के बाद गिरोह का दूसरा सदस्य भारत थापा और तीसरा सदस्य गोविंद बुद्धा राजधानी और एनसीआर के विभिन्न इलाकों में ग्राहकों तक चरस पहुंचाने का काम करते थे। तीनों पिछले काफी समय से इस धंधे में सक्रिय थे और बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ की सप्लाई कर रहे थे। जांच में सामने आया है कि आरोपी पूरी तरह आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रहे थे। ग्राहक व्हाट्सएप के जरिए उनसे संपर्क करते थे और वहीं ऑर्डर दिया जाता था। भुगतान यूपीआई और अन्य डिजिटल बैंकिंग माध्यमों से लिया जाता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी बेहद शातिर तरीके से काम करते थे। हर डील पूरी होने के बाद वे व्हाट्सएप चैट, कॉल हिस्ट्री और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड तुरंत डिलीट कर देते थे, ताकि पुलिस को उनके नेटवर्क का कोई सुराग न मिल सके।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी किसी एक वाहन का लगातार इस्तेमाल नहीं करते थे। वे पुलिस की नजर से बचने के लिए ऑटो-रिक्शा और बाइक टैक्सी से अलग-अलग इलाकों में जाकर ग्राहकों को चरस की डिलीवरी देते थे। इससे उनकी गतिविधियों पर नजर रखना मुश्किल हो जाता था।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में इस गिरोह के तार भारत-नेपाल सीमा से जुड़े हैं। चरस की खेप नेपाल से सोनौली बॉर्डर के रास्ते भारत लाई जाती थी और फिर दिल्ली पहुंचाई जाती थी। अब पुलिस नेपाल में बैठे सप्लायर और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। इसके लिए डिजिटल साक्ष्यों और बैंक खातों की भी जांच की जा रही है।

पकड़े गए तीनों आरोपित मूल रूप से नेपाल के रहने वाले हैं और फिलहाल दक्षिण दिल्ली के कोटला मुबारकपुर स्थित श्याम गली, नानक चंद बस्ती में रह रहे थे। पुलिस के मुताबिक शुरूआती जांच में तीनों के खिलाफ पहले किसी आपराधिक मामले का रिकॉर्ड नहीं मिला है। हालांकि यह पता लगाया जा रहा है कि वे कब से इस नेटवर्क से जुड़े हुए थे और पहले कितनी खेप दिल्ली ला चुके हैं।

नशीले बिस्किट खिलाकर यात्री को लूटने वाला बदमाश रंगेहाथ गिरफ्तार

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को नशीला पदार्थ खिलाकर लूटने वाले एक शातिर बदमाश को जीआरपी और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की संयुक्त टीम ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपित एक बेहोश यात्री का सामान खंगाल रहा था, तभी गश्त कर रही टीम ने उसे दबोच लिया। उसके कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन, नशीली गोलियां, कैप्सूल, नशीला पाउडर और नशीले पदार्थ मिले बिस्किट का खुला पैकेट बरामद किया गया है। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपित पहले भी इस तरह की वारदातों समेत आठ आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है।

रेलवे यूनिट के पुलिस उपायुक्त बी. भारत रेड्डी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान फिरोज खान निवासी अमरोहा (उप्र) के रूप में हुई है। पीड़ित की पहचान विशाल (24) निवासी अमरोहा के रूप में हुई है, जो गुरुग्राम के गढ़ी हरसरू से गजरौला (उप्र) जा रहा था।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 30 जून और एक जुलाई की दरम्यानी रात पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन थाना की पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम नियमित रात्रि गश्त पर थी। टीम में एएसआई पवन, हेड कांस्टेबल जयपाल, कांस्टेबल विनोद, हेड कांस्टेबल रामेंद्र और कांस्टेबल शिशराम शामिल थे।

सुबह करीब चार बजे टीम प्लेटफॉर्म नंबर-14 के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान वहां खड़ी एक यात्री ट्रेन के कोच में और अन्य संदिग्ध दवाइयां भी मिलीं। बेहोश यात्री को तुरंत अस्पताल भेजा गया, जबकि आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में पता चला कि विशाल ट्रेन

एक युवक बेहोशी की हालत में बर्थ पर पड़ा मिला, जबकि दूसरा व्यक्ति उसके सामान की तलाशी ले रहा था। पुलिसकर्मियों ने उससे पूछताछ की तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। संदेह होने पर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें दो स्क्रीन लॉक मोबाइल फोन बरामद हुए। साथ ही नशीले पदार्थ मिले बिस्किट का खुला पैकेट, नशीली गोलियां, कैप्सूल का इंतजार कर रहा था, तभी उसकी मुलाकात फिरोज खान से हुई। बातचीत के दौरान आरोपित ने उसे बिस्किट खाने के लिए दिए। आरोप है कि उन बिस्किटों में पहले से नशीला पदार्थ मिलाया गया था। बिस्किट खाते ही विशाल बेहोश हो गया। इसके बाद आरोपित ने उसका मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। हालांकि, भागने से पहले ही संयुक्त गश्ती दल ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया।

पुलिस ने आरोपित के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें एक मोबाइल पीड़ित विशाल का है। इसके अलावा नशीला पाउडर, नशीली गोलियां, कैप्सूल, नशीले पदार्थ मिला खुला बिस्किट पैकेट और एक कुरकुरे का पैकेट भी बरामद किया गया है। बरामद सामान को जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। जांच में सामने आया कि फिरोज खान आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन और गाजियाबाद जीआरपी थानों में नशीला पदार्थ खिलाकर चोरी, चोरी का माल रखने और एनडीपीएस एक्ट समेत आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उसके आपराधिक नेटवर्क और अन्य साथियों की भी जांच कर रही है।

इस मामले में पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन थाने में एफआईआर संख्या 40/2026 भारतीय न्याय संहिता की धारा 123, 305(2) और 317(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपित को अदालत में पेश करने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि उसने इसी तरीके से और कितने यात्रियों को अपना शिकार बनाया है।

अमेजन की खेप से 1500 वीवो मोबाइल उड़ाने वाले गिरोह का पदार्फाश, डेढ़ करोड़ के 604 मोबाइल बरामद, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। अमेजन के गुरुग्राम वेयरहाउस के लिए भेजी जा रही वीवो मोबाइल फोन की खेप से करीब 1500 मोबाइल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का द्वारका जिले की सेक्टर-23 थाना पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर बुलंदशहर स्थित एक बाग से 604 नए वीवो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन की कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपित ट्रांजिट के दौरान महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान की खेप को निशाना बनाकर चोरी करते थे और बाद में अपने नेटवर्क के जरिए बाजार में खपा देते थे। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह के अनुसार, 20 जून को सेक्टर-23 थाने में गोदाम प्रबंधक रवि की शिकायत पर ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत में बताया गया कि करीब 4500 नए वीवो मोबाइल फोन ट्रक में लोड कर गुरुग्राम स्थित अमेजन वेयरहाउस भेजे जा रहे थे। रास्ते में ट्रक चालक ने अपने साथियों के साथ मिलकर करीब 1500 मोबाइल फोन खेप से निकाल लिए। इसके बाद ट्रक को शेष सामान सहित गुरुग्राम में छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने इस मामले में पंकज उर्फ धीरेंद्र निवासी नगला फरीद, जिला एटा (उप्र), आनंद उर्फ रुद्रेश निवासी नगला फरीद, जिला एटा और मोहित उर्फ पुंडीर निवासी टिकरी कलां, जिला हाथरस को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि तीनों पहले भी अलग-अलग राज्यों में मोबाइल फोन और अन्य महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान की खेप चोरी करने के मामलों में शामिल रह चुके हैं। मामले की जांच के लिए सेक्टर-23 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बिजेंद्र छिल्लर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल से लेकर संभावित रूट तक लगे 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

भाजपा विधायक के खिलाफ आपराधिक मानहानि से जुड़ी याचिका पर पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को नोटिस

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने भाजपा विधायक करनैल सिंह के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि याचिका पर संज्ञान लेने के मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को नोटिस जारी किया है। स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने अगली सुनवाई 28 जुलाई को करने का आदेश दिया। करनैल सिंह ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी है। 29 मई को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की भाजपा विधायक करनैल सिंह के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि याचिका पर संज्ञान लिया था। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने करनैल सिंह को 6 जून को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी करने का आदेश दिया था। इसी आदेश को करनैल सिंह ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी है। मजिस्ट्रेट कोर्ट के समक्ष सत्येंद्र जैन ने याचिका दायर कर कहा कि करनैल सिंह ने 19 जनवरी 2025 को एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में उनके खिलाफ अपमानजनक बयान दिया। करनैल सिंह 2025 के विधानसभा चुनाव में शकूरबस्ती विधानसभा से भाजपा के उम्मीदवार थे। सत्येंद्र जैन की याचिका में कहा गया कि अपने इंटरव्यू में करनैल सिंह ने कहा था कि ईडी ने जैन के आवास से 37 किलोग्राम सोना बरामद किया था।

20 लाख से अधिक के एक्सपायरी खाद्य उत्पाद जब्त, तारीख बदलकर बाजार और ई-कॉमर्स पर बेचने वाले गिरोह का पदार्फाश

नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस ने एक्सपायरी और नियर-एक्सपायरी अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के खाद्य उत्पादों की निर्माण और एक्सपायरी तिथि बदलकर उन्हें नए उत्पाद के रूप में बाजार और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बेचने वाले एक बड़े संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने ओखला फेज-दो स्थित एक फैक्टरी पर छापा मारकर करीब 20 लाख रुपये से अधिक कीमत के एक्सपायरी खाद्य उत्पाद, प्रिंटिंग व सीलिंग मशीनें, फर्जी लेबल, बारकोड और री-पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह लंबे समय से इस कारोबार में सक्रिय था और दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों में भी माल भेजे जाने की आशंका है। दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि मामले में कंपनी के मालिक समेत सात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों की पहचान दर्शन सिंह सचदेवा (70) निवासी कंपनी मालिक, नितेश भारद्वाज (38) मैनेजर, नरेंद्र कुमार (42) अकाउंटेंट, कपिल (34) मशीन ऑपरेटर, लकी ओझा (45) वेयरहाउस कीपर तथा प्रेम यादव (33) और पवन कुमार

यादव (32) सुपरवाइजर के रूप में हुई है। सभी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क से कई अन्य लोग भी जुड़े हैं।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि ओखला फेज-दो स्थित वेस्टेन्ड कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड में बाल श्रमिकों से काम कराया जा रहा है। सूचना के आधार पर थाना ओखला इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस ने एसडीएम बदरपुर, एफएसएसएआई और एनजीओ मिशन मुक्ति के साथ संयुक्त छापेमारी की। हालांकि, जांच के दौरान वहां कोई बाल श्रमिक नहीं मिला, लेकिन गोदाम और फैक्टरी की तलाशी में बड़ी मात्रा में एक्सपायरी और नियर-एक्सपायरी खाद्य उत्पाद मिले। जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि यहां संगठित तरीके से उत्पादों की निर्माण और एक्सपायरी तिथि बदलकर उन्हें नए सामान के रूप में बाजार में भेजा जा रहा था। पूछताछ और जांच में सामने आया कि आरोपित पहले सस्ते दामों पर एक्सपायरी के करीब पहुंच चुके या एक्सपायर हो चुके अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के खाद्य उत्पाद खरीदते थे। इसके बाद केमिकल थिनर से पैकेटों पर छपी मूल निर्माण और एक्सपायरी तिथि मिटा दी जाती थी। फैक्टरी में लगी विशेष प्रिंटिंग मशीनों से नई निर्माण और एक्सपायरी तिथि छापी जाती थी। यही नहीं, उत्पादों पर नए बैच नंबर, बारकोड, एमआरपी और पोषण संबंधी स्टिकर भी लगाए जाते थे, ताकि किसी को भी यह पता न चल सके कि उत्पाद पहले ही एक्सपायर हो चुका है। इसके बाद उन्हें दोबारा पैक कर बिल्कुल नए उत्पाद की तरह तैयार कर बाजार में भेज दिया जाता था। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह तैयार किए गए इन खाद्य उत्पादों को दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों के थोक बाजारों और अलग-अलग ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से बेचता था। शुरूआती जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि कुछ उत्पाद विदेशों में भी भेजे जा रहे थे। पुलिस इस नेटवर्क की पूरी सप्लाई चेन की जांच कर रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने थम्स अप, फैंटा, बॉर्नविटा, हॉर्लिक्स, घी, मैगी नूडल्स, दो लीटर के कोल्ड ड्रिंक पैक, कोल्ड ड्रिंक कैन, पेपर बोट जूस सहित बड़ी मात्रा में पैक्ड खाद्य एवं पेय पदार्थ बरामद किए। इसके अलावा प्रिंटिंग मशीन, सीलिंग मशीन, पैकेजिंग सामग्री, नकली स्टिकर, बारकोड, बैच नंबर, एमआरपी लेबल तथा निर्माण और एक्सपायरी तिथि बदलने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी जब्त किए गए। वहीं बरामद मशीनों और उपकरणों से स्पष्ट हो गया कि परिसर में पूरी तरह संगठित अवैध री-पैकेजिंग यूनिट संचालित की जा रही थी। यहां एक्सपायरी खाद्य उत्पादों को दोबारा तैयार कर बाजार में उतारा जाता था। पुलिस का मानना है कि यह कारोबार लंबे समय से चल रहा था और इससे आरोपित लाखों रुपये का अवैध मुनाफा कमा रहे थे। थाना ओखला इंडस्ट्रियल एरिया में एफआईआर संख्या 358/2026 भारतीय न्याय संहिता की धारा 275, 318(4), 336, 340 और 61(2) के तहत दर्ज की गई है।

भविष्यफल

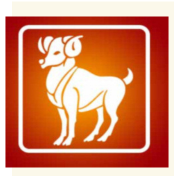

मेष -समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

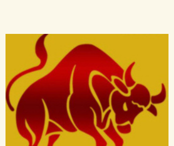

वृष- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन -जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क- शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह -पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्क्षचता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

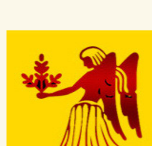

कन्या- शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला - समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

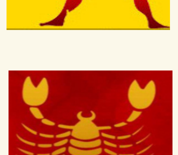

वृश्चिक -किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग- जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-5-7-9

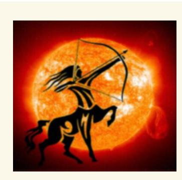

धनु -बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। कुछ आर्थिक ङ्क्षचताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर - व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

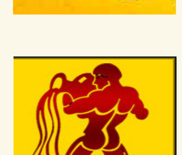

कुम्भ -आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन - कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

- श्रद्धांजलि देने आए राष्ट्रपति पजशकियान रो पड़े
- 14 महीने की पोती का ताबूत भी रखा गया

ईरान में खामेनेई के अंतिम विदाई की रस्में शुरू

● तेहरान / (एजेंसी)

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की अंतिम विदाई की रस्में शुरू हो गई हैं। खामेनेई के साथ उनकी 14 महीने की पोती, पत्नी, बेटी और दामाद को भी श्रद्धांजलि दी जा रही है। खामेनेई की पोती के छोटे से ताबूत के पास उसकी तस्वीर भी रखी गई है।

तेहरान के मोसल्ला परिसर में अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के ताबूत रखे गए हैं। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान समेत देश का शीर्ष नेतृत्व तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में खामेनेई को श्रद्धांजलि देने पहुंचा। इस दौरान पजशकियान भावुक होकर रो पड़े। उनके साथ मौजूद कई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और कई सैन्य अधिकारी भी अपने आंसू नहीं रोक सके। खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में मौत हो गई थी। 131 दिन बाद, 9 जुलाई को उन्हें ईरान के मशहद शहर में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

जनाजे में शामिल होने भारतीय डेलिगेशन पहुंचे

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे में शामिल होने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंच गया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने तेहरान पहुंचकर खामेनेई को श्रद्धांजलि दी, इस दौरान जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती भावुक हो उठी। उन्होंने अली खामेनेई को लहरों के खिलाफ लड़ने वाले मसीहा बताया। भारत ने अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे में शामिल होने के एक छोटा मगर मजबूत प्रतिनिधिमंडल ईरान भेजा है। इसमें बिहार के राज्यपाल ले. ज. (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन, उपविदेश मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा, कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद, जेकेपीडीपी की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और जैन मुनि शामिल है। यह प्रतिनिधिमंडल 9 जुलाई तक ईरान में रहेगा और खामेनेई के जनाजे में शामिल होगा।

▶ जापानी पीएम के भारत दौरे से चीन को हुई जलन, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बोले

एक्सक्लूसिव ग्रुपिंग बनाकर घेराबंदी व टकराव को बढ़ावा हमें स्वीकार नहीं

भारत और जापान के बीच क्रिटिकल मिनरल्स के लिए हुई बात

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

जापान की पीएम सनाए तकाइची के भारत दौरे से चीन की जलन हुई है। चीन तुरंत इस दौरे पर अपनी आपत्तियां जाहिर करने लगा है। शुक्रवार को चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि देशों के बीच आपसी सहयोग का मकसद किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाना या किसी दूसरे देश के हितों को नुकसान पहुंचाना नहीं होना चाहिए। यह बयान भारत और जापान द्वारा जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची की दिल्ली ।यात्रा के दौरान कई अहम पहल शुरू करने के एक दिन बाद आया है।

सनाए तकाइची को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छोटी बहन कहा है और जापान के साथ रिश्तों को प्राथमिकता दी है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि देशों के बीच सहयोग ऐसा होना चाहिए जिससे क्षेत्रीय देशों के बीच समझ और भरोसा बढ़े और इलाके में शांति व स्थिरता बनी रहे। मोदी और तकाइची के बीच शिखर वार्ता के बाद भारत और जापान ने गुरुवार को कई अहम पहलों का ऐलान किया। इनमें एक आर्थिक साझेदारी ढांचा, मिलिट्री हार्डवेयर को मिलकर बनाने के लिए रक्षा समझौता और तेल की कीमतों में अचानक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने के कदम शामिल हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ईस्ट चाइना सी और साउथ चाइना सी की स्थिति पर गहरी चिंता भी जताई। साथ ही, उन्होंने नेविगेशन की आजादी को खतरे में डालने वाले एकतरफा कदमों और ताकत के दम पर यथास्थिति बदलने की कोशिशों का विरोध किया।

भारत-जापान की दोस्ती से चीन सकते में

गुओ जियाकुन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री के बीच बातचीत के बाद सप्लाई चेन को मज़बूत करने के लिए क्रिटिकल मिनरल्स पर भारत और जापान के बीच सहयोग से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। गुओ ने कहा कि इस तरह के सहयोग का मकसद किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाना या उसके हितों को नुकसान पहुंचाना नहीं होना चाहिए। और तो और, इसका इस्तेमाल एक्सक्लूसिव ग्रुपिंग बनाकर फूट और टकराव को बढ़ावा देने के बहाने के तौर पर भी नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ग्लोबल इंडस्ट्रियल और सप्लाई चेन को सुरक्षित और स्थिर रखना सभी देशों की साझा ज़िम्मेदारी है। सभी पक्षों को खुलेपन और सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए और इस प्रक्रिया में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

भारत यात्रा पर रही बीजिंग की पैनी नजर

जापानी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा पर बीजिंग की पैनी नज़र थी। नवंबर 2025 में तकाइची ने एक बयान दिया था जिसके बाद जापान और चीन के रिश्ते कई सालों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। पीएम तकाइची ने कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो जापान जवाब दे सकता है। चीन, ताइवान को अपना एक बागी प्रांत मानता है और ज़रूरत पड़ने पर उसे ज़बरदस्ती अपने नियंत्रण में लाना चाहता है। उनके बयानों पर चीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। चीन ने अपने व्यापारिक हितों को बढ़ाने के लिए जापान, अमेरिका, भारत और कई अन्य देशों को रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्ती बरती, ताकि इनका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया जा सके। दुनिया भर में रेयर अर्थ खनिजों की माइनिंग का लगभग 70 प्रतिशत और इनकी प्रोसेसिंग का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा चीन के पास है। ये खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, पवन ऊर्जा, रक्षा उपकरणों और कई आधुनिक गैजेट्स के निर्माण के लिए बहुत जरूरी हैं।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे तोतापुरी आम के किसानों को केंद्र की बड़ी राहत

नई दिल्ली (एस एन वर्मा/दिव्य भारत)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के हालिया दौरे के दौरान तोतापुरी आम उत्पादक किसानों के साथ व्यापक संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया। किसानों ने अवगत कराया कि प्रसंस्करण के लिए बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली तोतापुरी आम किस्म की कीमतों में हाल के समय में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिसके कारण राज्य के आम उत्पादक किसानों को गंभीर आर्थिक संकट और असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने तत्काल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के माध्यम से वैज्ञानिकों एवं संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों की एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए, ताकि तोतापुरी आम क्षेत्र की पूरी वैल्यू चेन का समग्र अध्ययन कर किसानों को लाभकारी मूल्य और क्षेत्र के दीर्घकालिक, सतत विकास के लिए ठोस समाधान प्रस्तुत किए जा सकें।

आईसीएआर, केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ द्वारा जारी कार्यालय आदेश में बताया गया है कि आंध्र प्रदेश के दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संज्ञान में आया कि राज्य में प्रसंस्करण हेतु व्यापक रूप से उगाई जाने वाली तोतापुरी आम किस्म की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट हुई है, जिससे आम उत्पादक किसानों में चिंता और असंतोष का माहौल है। इसी संदर्भ में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए हैं कि आईसीएआर द्वारा एक विशेषज्ञ टीम गठित की जाए, जो तोतापुरी आम की खेती से लेकर प्रसंस्करण, विपणन, घरेलू और निर्यात बाजार तक से जुड़े मुद्दों का विस्तृत अध्ययन करे और उपयुक्त समाधान सुझाए।

जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, गठित विशेषज्ञ समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैंः डॉ. टी. दमोदरन, निदेशक, आईसीएआर-

सीआईएसएच, लखनऊ अध्यक्ष, डॉ. एम. शंकरन, प्रमुख, फ्रूट क्रॉप्स, आईसीएआर-आईआईएचआर, बेंगलुरु सदस्य, डॉ. एच.एस. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीआईएसएच, लखनऊ- सदस्य, डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी, प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, अनंत राजपेटा, वाईएसआर हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी, आंध्र प्रदेश- सदस्य, निदेशक (उद्यानिकी), आंध्र प्रदेश अथवा उनके नामित प्रतिनिधि सदस्य।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा समिति को निर्देश दिए गए हैं कि वह अगले 10 दिनों के भीतर आंध्र प्रदेश के प्रमुख तोतापुरी आम उत्पादक क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करे। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान समिति किसानों, प्रसंस्करण उद्योगों, निर्यातकों, राज्य सरकार के उद्यानिकी अधिकारियों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और अन्य संबंधित हितधारकों से विस्तृत चर्चा करेगी। इस दौरान समिति का फोकस निम्न मुख्य बिंदुओं पर रहेगाः तोतापुरी आम की खेती की वर्तमान स्थिति, उत्पादन लागत और किसानों की आय, प्रसंस्करण उद्योगों की क्षमता, उपयोग स्तर और मांग-आपूर्ति का संतुलन, घरेलू बाजार और निर्यात बाजार में कीमतों में गिरावट के वास्तविक कारण, वैल्यू चेन के अलग-अलग स्तरों पर आने वाली चुनौतियाँ और संभावित सुधार उपाय। इन चचाओं और क्षेत्रीय आंकड़ों के आधार पर समिति कीमतों में हालिया गिरावट के कारणों का वैज्ञानिक और आर्थिक विश्लेषण करेगी, ताकि नीति-निर्माण के लिए तथ्यपरक आधार उपलब्ध हो सके। क्षेत्रीय भ्रमण और समग्र अध्ययन के उपरांत विशेषज्ञ समिति केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। इस प्रतिवेदन में तोतापुरी आम क्षेत्र के लिए मूल्य स्थिरीकरण के उपाय, मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) को प्रोत्साहन देने वाली रणनीतियाँ, प्रसंस्करण और निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक हस्तक्षेप, एफपीओ, प्रोसेसर और एक्सपोर्टर्स की बेहतर समन्वय व्यवस्था, क्षेत्र के दीर्घकालिक और सतत विकास के लिए नीतिगत सुझाव जैसी क्रियान्वयन योग्य अनुशंसाएँ शामिल की जाएँगी, ताकि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस क्षेत्र के लिए एक व्यापक कार्य योजना लागू कर सकें।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि तोतापुरी आम किसानों की आय और आजीविका की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और विशेषज्ञ समिति की अनुशंसाओं के आधार पर ऐसे कदम उठाए जाएंगे, जिनसे आंध्र प्रदेश के आम उत्पादक किसानों को स्थायी राहत मिले, उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो और इस क्षेत्र में रोजगार और निवेश के नए अवसर उत्पन्न हों।

एएपीआई ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड से नीता सम्मानित

● मुंबई / (एजेंसी)

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक वर चेयरपर्सन नीता अंबानी को स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए फ्लोरिडा के टाम्पा शहर में एएपीआई ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड भारतीय मूल के यूएस डॉक्टरों के संगठन एएपीआई द्वारा दिया जाता है और नीता अंबानी को यह अवॉर्ड टाम्पा की मेयर जेन कैस्टर ने दिया।

यह अवॉर्ड उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने मानवता की सेवा में उत्कृष्ट योगदान दिया हो। यह अवॉर्ड हेल्थकेयर, शिक्षा, खेल, संस्कृति व सामुदायिक विकास में नीता के असाधारण योगदान व सेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण, करुणा और गरिमा को मान्यता देता है।

यूएन ऑफिस के बाहर आग लगाकर जान दी

● न्यूयॉर्क / (हि.स.)।

यूएस के न्यूयॉर्क में ह आफिस के बाहर गुरुवार शाम एक 52 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों और सामने आए वीडियो के मुताबिक, वह व्यक्ति बौद्ध भिक्षु के वेश में था। घटना से पहले उसने संयुक्त राष्ट्र परिसर के पास फुटपाथ पर तिब्बती झंडा रखा और फिर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। पुलिस को घटनास्थल से कुछ पर्चे मिले, जिन पर चीन को तिब्बत से निकालो लिखा था।

बौद्ध भिक्षु के वेष में था शख्स

पाक के बलूचिस्तान प्रांत में बस खाई में गिरी, 40 लोगों की मौत

● इस्लामाबाद / (एजेंसी)

पाक में दक्षिण-पश्चिम प्रांत बलूचिस्तान के शेरानी जिले में शुक्रवार को एक यात्री बस के गहरी खाई में गिरने से कम से कम 40 यात्रियों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। प्रांतीय सरकार के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री के राजनीतिक एवं मीडिया मामलों के सहायक शाहिद रिंद ने बताया कि अस्पताल ले जाते समय और इलाज के दौरान कई घायलों की मौत हो जाने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ गई।

यह दुर्घटना शेरानी के धना सर इलाके में झोब-शेरानी राजमार्ग पर हुई।हादसे की सूचना मिलते ही दोनों जिलों की पुलिस और बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और शवों तथा घायलों को पास के अस्पतालों में पहुंचाया।

सलमान खान की फिल्म मातृभूमि पर रोक का दावा

● मुंबई / (एजेंसी)

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने एक्टर सलमान खान की फिल्म मातृभूमि का क्लियरेंस सर्टिफिकेट अगले आदेश तक रोक दिया है। यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प पर आधारित है। पहले इस फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवान रखा गया था। फिल्म को पहले 17 अप्रैल को ईद के मौके पर रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसकी रिलीज डेट बढ़ाकर अगस्त तय की गई थी। सेंसर बोर्ड के इस फैसले के बाद अब फिल्म की अगस्त रिलीज भी टलने की आशंका है। सेंसर बोर्ड ने फिल्म मातृभूमि को सर्टिफिकेट देने पर फिलहाल रोक लगा दी है।

सेंसर बोर्ड से नहीं मिला सर्टिफिकेट

आज का इतिहास

- 1914: बर्दुन का युद्ध समाप्त।
- 1916: हिन्दी फ़िल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री नसीम बानो का जन्म।
- 1996: रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन पुनः चार वर्ष हेतु राष्ट्रपति निर्वाचित।
- 1997: अमेरिकी यान सोर्जनर मंगल ग्रह पर पहुँचा।
- 2001: भारत द्वारा पाक के नागरिकों की रिहाई के निर्देश।
- 2003: पाकिस्तान में शिया मस्जिद पर हुए हमले में 44 मारे गये।
- 2005: आस्ट्रेलिया में डाल्फ़िन की एक नई प्रजाति स्नबफ़िन खोजी गई।

बड़ी खोज | चंद्रयान-3 की मिट्टी का 1981 में पृथ्वी पर मिले उल्कापिंड से मिलान करने पर पाया

उल्कापिंड से बहुत मिलती है चांद के दक्षिणी ध्रुव की मिट्टी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के लगभग तीन साल बाद वैज्ञानिकों ने एक बड़ी खोज की है। उन्होंने पाया कि प्रज्ञान रोवर ने जिस मिट्टी की जांच की थी, उसकी रासायनिक बनावट उस पहले उल्कापिंड (पत्थर) से बहुत मिलती है, जिसे वैज्ञानिकों ने चंद्रमा से पृथ्वी पर आया हुआ माना था। यह खोज चंद्रयान-3 के शिव शक्ति स्टेशन से मिले आंकड़ों को उस उल्कापिंड से जोड़ती है, जो साल 1981-82 में अंटार्कटिका के एलन हिल्स इलाके में मिला था। इसे चांद से आया पहला आधिकारिक उल्कापिंड माना जाता है।

यह अध्ययन भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) के वैज्ञानिकों द्विजेश रे, ऋषितोष के. सिन्हा, संतोष वी वडावले, एम षणमुगम और अनिल भारद्वाज ने किया है। इस शोध को अंतरिक्ष विज्ञान की एक वैज्ञानिक पत्रिका एनपीजे स्पेस एक्सप्लोरेशन में प्रकाशित किया गया है। वैज्ञानिकों ने प्रज्ञान रोवर के उस वैज्ञानिक यंत्र अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर से मिले आंकड़ों की तुलना पृथ्वी पर मिले 66 चंद्र उल्कापिंडों से की।

स्टेशन की मिट्टी में क्या पाया गया

आंकड़ों के अनुसार, शिव शक्ति स्टेशन की मिट्टी में लगभग 26.1 प्रतिशत एल्यूमिनियम ऑक्साइड है, जबकि एलएचए 81005 पत्थर में यह 25.8 प्रतिशत है। यह मात्रा चंद्रमा के ऊंचे इलाकों में आम तौर पर मिलने वाले लगभग 29.6 प्रतिशत से कम है। वहीं, उतरने वाली जगह (लैंडिंग) की मिट्टी में लौह और मैग्नीशियम ऑक्साइड की कुल मात्रा 14.4 प्रतिशत है, जबकि उस पत्थर में यह 13.7 प्रतिशत है। यह चंद्रमा के ऊंचे इलाकों के औसत 8.15 प्रतिशत से लगभग दोगुनी है। हालांकि, इसरो ने साफ किया कि इसका यह मतलब नहीं है कि वह पत्थर चंद्रयान-3 के उतरने वाली जगह से ही आया था। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि दोनों चंद्रमा की सतह पर मौजूद एक जैसी मैग्नीशियम से भरपूर चट्टानों का प्रतिनिधित्व करते हैं। 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 के लैंडिंग के बाद उसके वैज्ञानिक यंत्र ने वहां की मिट्टी की जांच की। इसमें चंद्रमा के दूसरे ऊंचे इलाकों की तुलना में कम एल्यूमिनियम और ज्यादा लौह व मैग्नीशियम पाया गया।

लैंडिंग स्थल की मिट्टी में मैग्नीशियम की चट्टानों का मिश्रण: अध्ययन के अनुसार, लैंडिंग स्थल की मिट्टी केवल ऊपरी परत की नहीं है, बल्कि इसमें चंद्रमा की गहराई से ऊपर आई मैग्नीशियम से भरपूर चट्टानों का मिश्रण भी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह सामग्री दक्षिणी ध्रुव- ऐटकेन विशाल गड्ढे के बनने के समय ऊपर आई थी।

चमत्कार : मलबे में 8 दिन से फंसा कुत्ता जिंदा मिला

● कराकास / (हि.स.)

वेनेजुएला में मलबे के नीचे सतत 8 दिन तक फंसे रहने के बाद एक कुत्ते को जीवित बाहर निकाल लिया। लंबे समय तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद उसके सुरक्षित मिलने की घटना को लोग किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, कुत्ता किसी आपदा के बाद मलबे में दब गया था। समय बीतने के साथ उसके जीवित मिलने की उम्मीद बेहद कम होती गई, लेकिन बचाव दल ने तलाश अभियान बंद नहीं किया। आखिरकार लगातार प्रयासों के बाद रेस्क्यू टीम उसे सुरक्षित बाहर निकालने में सफल रही। कुत्ते के जीवित मिलने के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

घटना ने साबित किया कि आपदा के बाद शुरुआती दिनों के बाद भी राहत अभियान जारी रखना कितना अहम होता है। रेस्क्यू के बाद कुत्ते की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक देखभाल के लिए सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। 8 दिन बाद उसके जीवित मिलने की यह घटना पूरे अभियान की सबसे भावुक और प्रेरक तस्वीर बनकर सामने आई है।

रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित निकाला

संपादकीय

सुरक्षित सड़कों की जवाबदेही तय हो

मानसून की बारिश जहां किसानों के लिये राहत लेकर आती हैं, वहीं तंत्र की काहिली और भ्रष्टाचार की पोल भी खोल देती है। मानसून की शुरूआती बारिश ने एक बार फिर सार्वजनिक संरचनाओं की जानलेवा खामियों को ही उजागर किया। मुंबई में बारिश के पानी में नजर न आने वाले एक खुले मैनहोल में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं हाल ही में खुले बहुचर्चित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे ने पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की बदहाली उजागर कर दी। ये घटनाएं हमें बताती हैं कि बारिश के मौसम में स्थानीय निकायों की लापरवाही व खराब इंजीनियरिंग के चलते कैसे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ जाता है। निस्संदेह, मुंबई में हुए हादसे को रोका जा सकता था। कथित साफ-सफाई के बाद लापरवाही से खुला छोड़ा गया मैनहोल तब जानलेवा बन गया, जब बारिश के पानी से ढका खुला मैनहोल नजर नहीं आया। निस्संदेह, दुर्घटना के बाद अधिकारियों को निलंबित करना और ठेकेदार को काली सूची में डालना, फौरी तौर पर सही कदम है, लेकिन सवाल यह है कि हादसे होने के बाद ही ऐसे कदम क्यों उठाये जाते हैं? पहले से ही नागरिकों की सुरक्षा के लिये चाक-चौबंद व्यवस्था क्यों नहीं होती? कायदे से किसी सड़क पर मैनहोल खोलने से पहले बैरिकेड्स लगाने, चेतावनी देने वाले संकेत और अस्थायी कवर से ढकना बुनियादी सुरक्षा उपाय हैं। जिन्हें अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बीते साल भी दिल्ली में भारी बारिश के दौरान स्कूटर फिसलने से एक महिला और उसका तीन साल का बेटा पानी से भरे नाले में बह गये थे। ये असुरक्षित ड्रेनेज संरचना की घातकता को ही दशार्ता है। विडंबना है कि हमारा तंत्र सालभर सोया रहता है और जब बरसात शुरू होने को होती है, तब मरम्मत- नालों की सफाई के काम की औपचारिकता पूरी करता है। निस्संदेह, संबंधित विभागों के अधिकारियों की सर्वकालिक जवाबदेही तय की जानी चाहिए। फिर किसी भी तरह की लापरवाही होने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के धंसने की घटना भी एक चिंताजनक स्थिति को दशार्ती है। यह निर्विवाद सत्य है कि कोई सड़क बारिश आने के कारण रातों-रात नहीं धंसती है। इसमें सड़क निर्माण के दौरान सतर्कता की अनदेखी भी शामिल है।

दरअसल, सड़क निर्माण के दौरान जल निकासी की कारगर व्यवस्था न होने, मिट्टी की स्थिरता सुनिश्चित न करने और निर्माण में गुणवत्ता की कमी से ही बरसाती पानी सड़क की सतह के नीचे मिट्टी को धीरे-धीरे काटने लगता है। कालांतर यह मिट्टी का कटाव ही सड़क धंसने की वजह बन जाता है। साल 2024 में बिहार में पुलों के ढहने की श्रृंखला ने भी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग की हकीकत बतायी थी। इसी तरह की चिंताएं अकसर सामने आती हैं जब आधुनिक कहे जाने वाले महानगरों बेंगलुरू और मुंबई में हर मानसून में सड़कों में बने गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इतना ही नहीं इससे यातायात में भी अराजकता व व्यवधान पैदा होता है। बहरहाल, इन सभी घटनाओं के मूल में एक बात तो समान है कि स्थानीय निकाय व प्रशासन जोखिमों का समय रहते अनुमान नहीं लगा पाते हैं। यह तथ्य सभी अधिकारी जानते हैं कि एक निश्चित समय पर मानसून आता है। बाकायदा समय-समय पर सूचना माध्यमों में मौसम विभाग द्वारा मानसून की भविष्यवाणी की जाती है। लेकिन अधिकारी तब जागते हैं जब स्थितियां जटिल हो जाती हैं। वे इन हालातों को अप्रत्याशित आपात स्थिति के रूप में दशार्ने का प्रयास करते हैं।

व्यंग्य

भंडारा

(विवेक रंजन श्रीवास्तव)

दीनू दान उड़ा रहा है। चंदू चंदा डकार रहा है। ठेकेदार मुनाफा बटोर रहा है। नेता बजट का श्रेय और बजट का हिस्सा दोनों ले रहा है। अधिकारी कमीशन को प्रशासनिक संस्कार मानकर आत्मसात कर रहा है। जमीन पर कब्जा हो रहा है। जनता मुफ्त प्रसाद की प्रतीक्षा में खड़ी है।

देश में भंडारों की बड़ी परंपरा है। पहले लोग पुण्य कमाने के लिए भंडारे करते थे। अब प्रभाव, प्रभुत्व और प्रायोजन कमाने के लिए करते हैं। पहले कड़ाही में दलिया और खिचड़ी पकती थी, अब कागजों में योजनाएं पकती हैं। पहले पूड़ी सब्जी बंटती थी, अब घोषणाएं, विज्ञापन और सपने बांटे जाते हैं।

भंडारे की शुरूआत हमेशा श्रद्धा से होती है और समापन हिसाब से। श्रद्धालु धन देता है, आयोजक धन्यवाद देता है और बीच का रास्ता धन के चरित्र को बदल देता है। चंदा जब तक दानदाता की जेब में रहता है, धर्म के लिए संकल्प कहलाता है। दान खाते में पहुंचते ही अवसर बन जाता है।

चंदू इसी अवसरवाद का पुरोहित है। वह चंदे को इस कौशल से पचाता है कि आयकर विभाग भी उसके पाचन तंत्र पर शोध करना चाहे। वह पारदर्शिता का इतना बड़ा समर्थक है कि हर सवाल पूछने वाले को आरपार देख लेता है, लेकिन अपने खाते किसी को नहीं दिखाता। उसके अनुसार समाजसेवा में हिसाब मांगना आस्था पर हमला है। वह उदाहरण देता है, प्रतिप्रश्न करता है कि अमुक धर्म या खास ट्रस्ट पर कोई सवाल क्यों नहीं उठा रहे, केवल हमारी आस्था ही क्यों सवाल की परिधि में है।

दीनू सेवा का ब्रांड एंबेसडर है। वह हर फोटो में गरीब के कंधे पर हाथ रखता है और हर सौदे में अपना दूसरा हाथ जेब के भीतर रखता है। उसके चेहरे पर करुणा टपकती है और व्यवहार में गणित। उसे मालूम है कि पांच लाख का दान पचास लाख की प्रतिष्ठा और पांच करोड़ का प्रभाव पैदा कर सकता है। इसलिए वह परोपकार को निवेश की तरह करता है।

नेता जी मंच पर विराजमान हैं। वे जनता को अपना परिवार बताते हैं। यह वही परिवार है जिससे वे चुनाव के बाद उतनी ही दूरी बना लेते हैं जितनी दूरी सुरक्षा घेरा जनता से बनाए रखता है। वे बताते हैं कि विकास गांव गांव पहुंच चुका है। गांव वाले सहमति में सिर हिलाते हैं क्योंकि विकास उनसे मिलने नहीं आया, लेकिन उसका विज्ञापन रोज उनके मोबाइल पर पहुंच जाता है।

अब विकास का अर्थ भी बदल गया है। सड़क टूट जाए तो मरम्मत का बजट विकास है। मरम्मत टूट जाए तो नया टेंडर विकास है। टेंडर रद्द हो जाए तो पुनः स्वीकृति विकास है। काम हो जाए तो वह चमत्कार की श्रेणी में आता है।

ठेकेदार लोकतंत्र का अनसुना जन कवि है। वह सीमेंट में दर्शन और बजरी में संभावना मिलाकर निर्माण करता है। उसकी बनाई सड़कें बरसात आते ही आत्मनिर्भर होकर मिट्टी में विलीन हो जाती हैं। पुल उद्घाटन के समय मजबूत और जांच के समय भावुक पाए जाते हैं। मगर चिंता की कोई बात नहीं। हर दुर्घटना के बाद संवेदना का नया भंडारा शुरू हो जाता है।

अधिकारी व्यवस्था के योगी हैं। वे फाइलों के पद्मासन पर बैठकर निर्णय की साधना करते हैं। उनकी कलम तब तक मौन व्रत में रहती है जब तक उसे समुचित ऊर्जा प्राप्त न हो जाए। इस ऊर्जा के कई नाम हैं, पर जनता इसे सुविधा शुल्क के नाम से पहचानती है।

भंडारे का एक स्वादिष्ट व्यंजन जमीन भी है। जिस भूमि पर स्कूल बनना था, वहां कॉम्प्लेक्स उग आता है। जहां तालाब था, वहां टावर खड़ा हो जाता है। जहां पार्क प्रस्तावित था, वहां प्लॉट बिक जाते हैं। नक्शे बदलते हैं, सीमाएं बदलती हैं, मालिक बदलते हैं, केवल सरकारी रिकॉर्ड अपनी नींद में खर्राटे भरता रहता है।

इस पूरे आयोजन में जनता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण और सबसे नगण्य है। उसी के नाम पर चंदा आता है, उसी के नाम पर बजट आता है, उसी के नाम पर योजनाएं बनती हैं और उसी के नाम पर भाषण दिए जाते हैं। दरअसल पूरा भंडारा ही जनता के नाम पर आयोजित होता है, जनता का, जनता के लिए, जनता के धन से, बस वही जनता भंडारे के स्वादिष्ट भोजन की लाभार्थियों वाली लाइन में कहीं पीछे छूट जाती है।

भंडारा समाप्त होने पर पत्तलें उठ जाती हैं, बैनर उतर जाते हैं, नारे बदल जाते हैं। लेकिन दीनू बना रहता है, चंदू बना रहता है, ठेकेदार बना रहता है, कमीशन बना रहता है। और बने रहते हैं, नेता जी, जो अवसर के अनुसार नई पार्टी में नजर आ सकते हैं। केवल जनता हर बार नए विश्वास के साथ फिर अगले भंडारे की पंक्ति में लग जाती है।

लोकतंत्र की यही सबसे अद्भुत व्यवस्था है। यहां भंडारा जनता के नाम पर होता है, खर्च खजाने से होता है, लाभ प्रभावशालियों को मिलता है और धन्यवाद जनता देती है। फिर अगला भंडारा घोषित होता है। फिर वही श्रद्धा, वही शोर, वही भाषण, वही बजट, वही बंटवारा। देश का विकास रथ चलता रहता है। भंडारा भी।

पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वास की मानवीय पहल

उमेश चतुर्वेदी

अभी हाल ही में पिता दिवस गुजरा है। इस दिन सोशल मीडिया समेत तमाम जगहों पर हुई चचार्ओं में एक बात प्रमुखता से छायी रही। ऐसा कहा गया कि पिता बनने के बाद लोगों की शख्सियत में बदलाव आ जाता है। चूंकि जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, लिहाजा इन दायित्वों के चलते कठोर से कठोर हृदय वाला व्यक्ति भी नरम हो जाता है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने जब पूर्व नक्सलियों की जबरिया कराई गई नसबंदी को खोलने वाले जटिल ऑपरेशन को हरी झंडी दिखाई, पता नहीं, उसके दिमाग में यह तथ्य था या नहीं। लेकिन उसकी इस कोशिश से कभी इंन्सानी खून से लाल रही बस्तर की धरती के कई आंगन किलकारियां गूंज रही हैं।

देश के एक तिहाई जिलों पर लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहा नक्सलवाद अब आखिरी सांसें गिन रहा है। गृहमंत्री अमित शाह के दावे के मुताबिक, 31 मार्च 2026 तक देश तकरीबन नक्सलमुक्त हो चुका है। इस दौरान सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ज्यादातर बड़े नक्सली कमांडर मारे जा चुके हैं, या कई ने आत्मसमर्पण कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2700 नक्सली आत्म समर्पण कर चुके है। इन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास के लिए केंद्रीय सहयोग के साथ नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें कई सारी योजनाएं चला रही हैं। नक्सलवाद से सर्वाधिक प्रभावित रहे छत्तीसगढ़ और झारखंड में आर्थिक सहयोग, रोजगार, घर आदि की सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे नक्सलियों के पुनर्वास को गति मिली है। लेकिन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास कार्यक्रमों में एक अनूठी मुहिम चलाई जा रही है। यह विशेष मुहिम सिर्फ छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ही चला रही है। इस मुहिम को पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वासन कहा जा सकता है।

दरअसल नक्सली संगठनों में फील्ड कार्य कर रहे नक्सलियों के लिए अमानवीय प्रथा थी। फील्ड में काम कर रहे कम उम्र के नक्सलियों की अमानवीय तरीके से जबरिया नसबंदी करा दी जाती थी, ताकि नक्सली कार्य करते वक्त वे अपना परिवार न बढ़ा सकें।८

नक्सली संगठनों में महिला नक्सली भी सक्रिय थीं, उनके बीच रिश्ते पनपने संभव थे। लेकिन उन रिश्तों से बच्चे ना हों, इसलिए पुरूष नक्सलियों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए मजबूर किया गया। जिनमें बहुत सारे नक्सलियों की उम्र बेहद कम थी। लेकिन सरकारी मुहिम के बाद जब उन्होंने आत्मसमर्पण किया तो उनके मन में भी परिवार बसाने और अपने घर-आंगन में किलकारी गूंजने की चाहत जगी। चूंकि इनकी नसबंदी हो चुकी थी, लिहाजा इन्हें मन-मसोस कर रह जाना पड़ता था। छत्तीसगढ़ सरकार इन्हीं समर्पित प्रजनन उम्र वाले नक्सलियों के लिए पारिवारिक तौर पर ज्यादा सक्रिय होने के लिए यह मानवीय पहल शुरू की है।

पशुपति यानी नेपाल से लेकर तिरूपति यानी आंध्र के जंगली गलियारे तक तूती बोलने के दौर में छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित था। खूंखार नक्सलियों के लिए कुख्यात इसी बस्तर संभाग से छत्तीसगढ़ सरकार ने मानवीय पहल शुरू की है। इसके तहत प्रजनन की उम्र वाले उन नक्सलियों का रिवर्स वैसेक्टॉमी शुरू किया है।

नसबंदी करा चुके लोगों के लिए रिवर्स वासेक्टॉमी एक तरह से उनकी नसों को फिर से खोलने और उन्हें प्रजनन योग्य बनाने की जटिल प्रक्रिया है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने इस अनूठी पहल को यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों की मदद से शुरू किया है। 14 जून तक के आंकड़ों के अनुसार, दो चरणों में 73 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने का ऑपरेशन पूरा किया जा चुका है। पहले चरण में 33 पूर्व नक्सलियों को खुशहाल जिंदगी गुजारने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया तो दूसरे चरण में 40 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी को खोला गया।

पहले चरण में जिन 33 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है, उनमें से 27 के आंगन किलकारियों से गूंज रहे हैं। बस्तर के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के अनुसार, बस्तर के एक पूर्व नक्सली के घर दो महीने पहले ही बच्ची का जन्म हो चुका है। उस पूर्व नक्सली का परिवार इस बच्ची के साथ अपना पारिवारिक जीवन आनंद से बिता रहा है।

आमतौर नसबंदी खोलने के इस जटिल ऑपरेशन के लिए बड़े शहरों और महानगरों के सुविधा संपन्न अस्पतालों में जाना पड़ता है। लेकिन यह पहला मौका है, जब छत्तीसगढ़ के दूर-दराज के बस्तर संभाग में स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर इस जटिल ऑपरेशन प्रक्रिया को सफलता के साथ अंजाम तक पहुंचाया गया। इस पहल में बस्तर के जिला प्रशासन के साथ ही बस्तर पुलिस और यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के पश्चिमी जोन की बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका रही। यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और इंदौर निवासी डॉक्टर राजेश कुकरेजा का कहना है कि बस्तर जैसे इलाके में इतने बड़े स्तर पर नसबंदी खोलने का सफल ऑपरेशन किया जाना चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि है।

इस ऑपरेशन की शुरूआत जगदलपुर के महारानी अस्पताल में की गई। इसके लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए। जगदलपुर के जिला अस्पताल में नसबंदी खोलने के विशेष शिविरों में देश के जाने माने यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुशील राठी, डॉ. ललित शाह एवं डॉ. योगेश बरापात्रे सहित इंदौर के डॉ. राजेश कुकरेजा, पुणे के डॉ. सागर भालेराव और डॉ. राहुल, महाराष्ट्र के नांदेड़ के डॉ. अभिषेक, मुंबई के डॉ. निनाद तंबोली और डॉ. पार्थ मानेक के साथ ही रायपुर के डॉ. राहुल कपूर एवं डॉ. घनश्याम हटवार की टीम ने पूर्व नक्सिलियों का सफल ऑपरेशन किया है। इनके सहयोग के लिए छह स्थानीय डॉक्टरों सहित करीब 50 सदस्यों वाली मेडिकल टीम जुटी रही।

छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल बाकी राज्यों द्वारा नक्सलियों के आर्थिक और जमीनी पुनर्वास नीति से अलग है। विष्णुदेव साय सरकार की इस मानवीय पहल की प्रशंसा मेडिकल जगत के साथ ही समाजविज्ञानी भी कर रहे हैं। इस पहल के तहत शारीरिक और मेडिकल जांच के साथ ही प्रजनन योग्य पाए जाने वाले नक्सलियों के ही ऑपरेशन किए जाते हैं। इनमें चालीस साल तक की उम्र वाले पूर्व नक्सलियों को ही प्राथमिकता दी जाती है। जगदलपुर के महारानी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर संजय प्रसाद के मुताबिक, राज्य सरकार की पहल पर जल्द ही तीसरे चरण का भी शिविर लगाने की तैयारी है, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा पूर्व नक्सलियों के ऑपरेशन किये जायेंगे।

छत्तीसगढ़ की यह मानवीय पहल समर्पित नक्सलियों को ना सिर्फ अपने समाज, बल्कि परिवार से भी जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह पहल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा रणनीति से आगे बढ़कर विश्वास निर्माण और सामाजिक-मानवीय पुनर्वास मॉडल के रूप में आगे आ रहा है। ये 73 ऑपरेशन महज चिकित्सकीय आंकड़ा नहीं है, बल्कि इन परिवारों की उम्मीद और सामान्य जीवन की ओर आगे बढ़ने का भी प्रतीक है। उम्मीद की जानी चाहिए कि झारखंड और दूसरे नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें भी इस पहल से प्रेरित होंगी।

ई-20 का चक्रव्यूह: ग्रीन फ्यूल के सपने और कड़वी जमीनी हकीकत

दधिबल यादव

भारत का ऑटोमोबाइल सेक्टर इन दिनों एक बड़े नीतिगत और तकनीकी चौराहे पर खड़ा है। देश के पेट्रोल पंपों पर धीरे-धीरे कदम बढ़ा रहा एथनॉल मिश्रित ईंधन इस समय चर्चा, आशंकाओं और कानूनी पेचीदगियों के केंद्र में है। एक तरफ सरकार इसे देश की ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण संरक्षण के अचूक नुस्खे के रूप में पेश कर रही है, तो दूसरी तरफ उपभोक्ताओं का एक बड़ा वर्ग, विशेषकर सोशल मीडिया पर सक्रिय कार मालिक इंजन खराब होने के दावों के साथ डरा हुआ है। इस बहस को सबसे बड़ा मोड़ तब मिला जब सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने स्वीकार किया कि फिलहाल एथनॉल का उपयोग परीक्षण के दौर में है।

यह विरोधाभास कि जो ईंधन पंपों पर बिकने लगा है, वह तकनीकी रूप से अभी ट्रायल के दौर में है, इस पूरी नीति के क्रियान्वयन, इसके पीछे के राजनीतिक अर्थशास्त्र और उपभोक्ता अधिकारों पर कई गंभीर सवाल खड़े करता है। दरअसल, एथनॉल बुनियादी रूप से एक अल्कोहल (एथिल अल्कोहल) है, जिसे मुख्य रूप से गन्ने के रस, शीरे, मक्का और क्षतिग्रस्त खाद्यान्नों से तैयार किया जाता है। रासायनिक रूप से एथनॉल में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होती है, जो ईंधन के बेहतर दहन में मदद करती है और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को कम करती है। लेकिन, सिक्के का दूसरा पहलू इसकी भौतिक और रासायनिक प्रकृति है।

एथनॉल की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह हवा से नमी (पानी) को बहुत तेजी से सोखता है। जब पेट्रोल में एथनॉल मिलाया जाता है और गाड़ी लंबे समय तक खड़ी रहती है, तो यह नमी सोखकर फेज सेपरेशन की स्थिति पैदा करता है। यानी पानी और एथनॉल का मिश्रण टैंक के नीचे बैठ जाता है और पेट्रोल ऊपर रह जाता है। यह गाढ़ा और अम्लीय मिश्रण जब इंजन में जाता है, तो मिसफायरिंग और स्टार्टिंग की समस्या पैदा करता है। एथनॉल रबर, प्लास्टिक और कुछ धातुओं (जैसे एल्युमिनियम और तांबा) के प्रति बेहद संक्रामक होता है। पुरानी कारें और मोटरसाइकिलें, जो ई10 (10प्रतिशत एथनॉल) या ई20 (20प्रतिशत एथनॉल) के लिए अनुकूलित नहीं हैं, उनके फ्यूल पंप, होज पाइप, इंजेक्टर्स और काबोर्रेटर के समय से पहले खराब होने का खतरा शोध में साबित हो चुका है। एथनॉल का ऊर्जा घनत्व शुद्ध पेट्रोल की तुलना में लगभग 33प्रतिशत कम होता है। इसका सीधा मतलब यह है कि एथनॉल मिश्रण का अनुपात जितना बढ़ेगा, गाड़ी का माइलेज उतना ही कम होगा। उपभोक्ताओं की यह शिकायत तकनीकी रूप से पूरी तरह जायज है कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से उनकी गाड़ियों का औसत गिर रहा है।

एथनॉल नीति को सिर्फ एक पर्यावरणीय पहल के रूप में देखना इसकी अधूरी व्याख्या होगी। इसके पीछे एक मजबूत राजनीतिक और आर्थिक ताना-बाना है, जिसे एथनॉल का राजनीतिक अर्थशास्त्र कहा जा सकता है। अगर आर्थिक आयाम की बात करें तो भारत अपनी जरूरत का लगभग 85प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। एथनॉल सम्मिश्रण से सालाना अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा की बचत का अनुमान है। चीनी उद्योग लंबे समय से अधिशेष उत्पादन और बकाए के संकट से जूझ रहा था। एथनॉल ने मिलों को एक नया और आकर्षक रेवेन्यू मॉडल दिया है। अगर इसके राजनीतिक आयाम की बात करें तो गन्ना किसानों को समय पर भुगतान और मक्का उत्पादकों को बेहतर दाम देना देश के बड़े चुनावी राज्यों (जैसे उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक) में राजनीतिक जीवनरेखा है। कारपोरेट लॉबिंग के नजरिये से देखा जाए तो देश के बड़े डिस्टिलरी मालिक और चीनी मिल लॉबी सरकार की इस नीति के सबसे बड़े पैरोकार और लाभार्थी हैं।

सरकार का लक्ष्य 2025-26 तक पेट्रोल में 20प्रतिशत एथनॉल मिश्रण (ई20) हासिल करने का है। यह लक्ष्य पर्यावरण और आत्मनिर्भरता के लिहाज से जितना आकर्षक है, राजनीतिक मोर्चे पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को साधने का उतना ही बड़ा हथियार भी है। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब इस राजनीतिक जल्दबाजी में तकनीकी सुरक्षा उपायों और उपभोक्ता जागरूकता को हाशिए पर धकेल दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट में सरकार का यह बयान कि एथनॉल अभी परीक्षण के दौर में है, नीतिगत मोर्चे पर एक गंभीर चूक को उजागर करता है। यदि यह परीक्षण के दौर में है, तो देश के करोड़ों अनभिज्ञ वाहन मालिकों को इसे सीधे पंपों पर क्यों परोसा जा रहा है? एक बड़ा सवाल है कि क्या जनता की गाड़ियां और उनकी गाढ़ी कमाई इस राष्ट्रीय परीक्षण की प्रयोगशाला बनने के लिए मजबूर हैं?

भारतीय सड़कों पर चल रहे वाहनों का एक बहुत बड़ा हिस्सा बीएस-4 या उससे भी पुराने मानकों का है। ये वाहन ई10 या ई20 ईंधन के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। कार निमार्ताओं ने 2023 के बाद से ई20 ट्यून इंजन बनाने शुरू किए हैं। ऐसे में पुराने वाहनों के मालिकों के पास कोई विकल्प नहीं बचता, क्योंकि अधिकांश पेट्रोल पंपों पर अब सामान्य (गैर-मिश्रित) पेट्रोल मिलना बंद हो चुका है। सरकार का यह रवैया उपभोक्ता अधिकारों के 'चॉइस के सिद्धांत का उल्लंघन प्रतीत होता है। हरित ईंधन की दिशा में बढ़ना समय की मांग है, और भारत पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे नहीं हट सकता। लेकिन इस बदलाव की कीमत देश के मध्यम वर्ग और वाहन मालिकों के इंजन की बलि देकर नहीं चुकाई जानी चाहिए।

इस संकट के समाधान के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने अनिवार्य हैं। पहला- पेट्रोल पंपों पर स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए कि किस नोजल से ई10, ई20 या सामान्य पेट्रोल निकल रहा है, ताकि उपभोक्ता अपनी गाड़ी की क्षमता के अनुसार ईंधन चुन सके। दूसरा- सरकार और ऑटोमोबाइल कंपनियों को मिलकर एक ऐसी किफायती रेट्रोफिटिंग किट या संक्षारण रोधी एडिटिव्स बाजार में लाने चाहिए, जो पुरानी गाड़ियों के इंजन को एथनॉल के दुष्प्रभावों से बचा सकें। तीसरा- परीक्षण के आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। ऑटोमोबाइल कंपनियों को जिम्मेदारी लेनी होगी कि यदि अनुशंसित ईंधन से इंजन समय से पहले खराब होता है, तो वारंटी के तहत उसकी सुरक्षा कैसे होगी।

एथनॉल नीति भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता का एक महत्वाकांक्षी स्वप्न है, लेकिन इस स्वप्न को हकीकत में बदलने के लिए प्रशासनिक हड़बड़ी और राजनीतिक तुष्टिकरण से बचना होगा। जब तक नीतिगत स्पष्टता, तकनीकी सुदृढ़ता और उपभोक्ता के विश्वास का त्रिकोण मजबूत नहीं होगा, तब तक हरित ईंधन की यह बहस पर्यावरण बनाम हकीकत के दलदल में फंसी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी सरकार के लिए एक चेतावनी है कि वह ट्रायल और वितरण के बीच की खाई को जल्द से जल्द वैज्ञानिक और पारदर्शी तरीके से भरे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

थकी हुई वर्दी, टूटता हुआ मन

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी देश की कानून-व्यवस्था का सबसे दृश्यमान चेहरा पुलिस होती है। जब कोई अपराध होता है, दुर्घटना घटती है, दंगा भड़कता है, प्राकृतिक आपदा आती है या किसी नागरिक को तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है तो सबसे पहले पुलिस ही सामने दिखाई देती है। समाज उससे हर समय तत्पर, अनुशासित, निष्पक्ष और संवेदनशील रहने की अपेक्षा करता है। विडंबना यह है कि जो व्यवस्था पूरे समाज को सुरक्षा का भरोसा देती है, उसी व्यवस्था के भीतर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की मानसिक सुरक्षा और भावनात्मक आवश्यकताओं पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। बाहर से रोबदार दिखने वाली वर्दी के भीतर भी एक संवेदनशील मन धड़कता है, जो लगातार बढ़ते तनाव, कार्यभार, पारिवारिक दूरियों और संस्थागत दबावों के बीच धीरे-धीरे टूटता चला जाता है।

हाल ही में पुलिस इंस्पेक्टर श्रवण कुमार बिश्नोई की आत्महत्या की खबर ने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया। किसी भी आत्महत्या के पीछे के कारणों का अंतिम निर्धारण केवल आधिकारिक जांच से ही संभव है इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचना उचित नहीं होगा। फिर भी यह दुखद घटना पुलिस बल में मानसिक तनाव, कार्य संस्कृति और मनोवैज्ञानिक सहयोग की आवश्यकता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं बल्कि उस व्यवस्था का आईना भी है, जहाँ कर्तव्य निभाते-निभाते कई बार इंसान स्वयं अपने भीतर हारने लगता है।

हमारे समाज में पुलिस की छवि अक्सर अधिकार, शक्ति और कठोरता से जुड़ी रही है। आम नागरिक मान लेते हैं कि पुलिसकर्मी भावनाओं से परे होते हैं, उन्हें दर्द नहीं होता, वे कभी नहीं टूटते। यही सबसे बड़ी भूल है। पुलिसकर्मी भी उसी समाज के सदस्य हैं। वे भी किसी के बेटे-बेटी, पति-पत्नी, माता-पिता और मित्र होते हैं। उन्हें भी अपनों की चिंता होती है, आर्थिक जिम्मेदारियाँ होती हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं और भावनात्मक सहारे की आवश्यकता होती है। अंतर केवल इतना है कि वे अपने दुख को अक्सर वर्दी के भीतर छिपाकर रखना सीख जाते हैं।

पुलिस सेवा का वास्तविक स्वरूप फिल्मों और धारावाहिकों से बिल्कुल अलग है। अधिकांश पुलिसकर्मियों का दिन कब शुरू होता है और कब समाप्त, इसका निश्चित समय नहीं होता। आठ घंटे की ड्यूटी का सिद्धांत व्यवहार में शायद ही कहीं पूरी तरह लागू दिखाई देता है। त्योहार हो, चुनाव हो, वीआईपी दौरे हों, धरना-प्रदर्शन हो, प्राकृतिक आपदाएँ हों या अपराध की गंभीर घटनाएँ- हर स्थिति में सबसे पहले पुलिस को तैनात किया जाता है। कई बार लगातार चौबीस-चौबीस घंटे तक ड्यूटी करनी पड़ती है। पर्याप्त नींद, नियमित भोजन और पारिवारिक समय उनके जीवन में विलासिता बन जाते हैं। विश्व भर के मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि लगातार नींद की कमी, अत्यधिक कार्यभार और भावनात्मक तनाव किसी भी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। पुलिसकर्मी प्रतिदिन हत्या, आत्महत्या, सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा, यौन अपराध और अन्य दर्दनाक घटनाओं का सामना करते हैं। सामान्य नागरिक जिन दृश्यों को केवल समाचारों में देखते हैं, पुलिस उन्हें प्रत्यक्ष रूप से झेलती है। ऐसे अनुभव धीरे-धीरे मन पर गहरे घाव छोड़ते हैं। यदि समय पर भावनात्मक सहयोग न मिले तो यही दबाव अवसाद, चिंता, चिड़चिड़ेपन और कई बार आत्मघाती विचारों तक पहुँच सकता है। पुलिस व्यवस्था की आंतरिक संरचना भी कई बार तनाव को बढ़ा देती है। वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव, समयबद्ध परिणाम देने की अपेक्षा, राजनीतिक हस्तक्षेप, संसाधनों की कमी और निरंतर जवाबदेही अधीनस्थ कर्मचारियों के मानसिक बोझ को कई गुना बढ़ा देती है। अनुशासन किसी भी सुरक्षा बल की आवश्यकता है लेकिन अनुशासन और मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है।

यदि अधीनस्थ कर्मचारी अपनी समस्याएँ खुलकर साझा करने से डरने लगें तो तनाव भीतर ही भीतर विस्फोटक रूप ले सकता है।

पारिवारिक जीवन भी पुलिस सेवा की सबसे बड़ी कीमत चुकाता है। पुलिसकर्मी अपने बच्चों के साथ समय नहीं बिता पाते, माता-पिता की बीमारी में उपस्थित नहीं हो पाते और कई बार पारिवारिक समारोहों तक में शामिल नहीं हो पाते। लगातार अनुपस्थिति से परिवारों में भावनात्मक दूरी बढ़ने लगती है।

कई पुलिसकर्मी अपने व्यक्तिगत तनाव को परिवार से छिपाते हैं ताकि घर वाले चिंतित न हों, जबकि परिवार अपनी समस्याएँ उनसे इसलिए नहीं कह पाता कि वे पहले ही बहुत तनाव में हैं। यह मौन धीरे-धीरे मानसिक अकेलेपन में बदल जाता है।

समाज भी इस समस्या को पूरी गंभीरता से नहीं समझता। जब पुलिस कोई गलती करती है तो आलोचना स्वाभाविक है। जवाबदेही लोकतंत्र का आवश्यक तत्व है। लेकिन हर पुलिसकर्मी को केवल कठोर, असंवेदनशील या भ्रष्ट मान लेना न्यायसंगत नहीं है। हजारों पुलिसकर्मी सीमित संसाधनों और अत्यधिक दबाव के बीच ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियाँ निभाते हैं। वे भी सम्मान और संवेदनशील व्यवहार के अधिकारी हैं। चिंताजनक बात यह है कि पुलिस बल में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलापन आज भी पर्याप्त नहीं है। यदि कोई कर्मचारी मनोवैज्ञानिक सहायता लेना चाहता है तो कई बार उसे कमजोरी समझ लिया जाता है। परिणामस्वरूप अनेक लोग अपने भीतर की पीड़ा को वर्षों तक दबाए रखते हैं। वे मुस्कुराते हुए ड्यूटी करते हैं लेकिन भीतर से टूटते रहते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर चुप्पी किसी भी संस्था के लिए सबसे खतरनाक स्थिति होती है।

अब समय केवल संवेदना व्यक्त करने का नहीं बल्कि ठोस सुधारों का है। सबसे पहले पुलिसकर्मियों के कार्य घंटे यथासंभव मानवीय बनाए जाने चाहिए। पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति कर कार्यभार का न्यायसंगत वितरण किया जाए। लगातार ड्यूटी के बाद अनिवार्य विश्राम सुनिश्चित हो। साप्ताहिक अवकाश और पारिवारिक समय केवल कागजों तक सीमित न रहें। प्रत्येक जिले में पेशेवर मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था होनी चाहिए। गोपनीय काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम, हेल्पलाइन और नियमित मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण पुलिस व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बनाए जाने चाहिए। जैसे शारीरिक फिटनेस आवश्यक है, वैसे ही मानसिक फिटनेस भी पुलिस सेवा की अनिवार्य शर्त होनी चाहिए।

पुलिस नेतृत्व को भी अपनी कार्यशैली में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना होगा। अच्छे नेतृत्व का अर्थ केवल आदेश देना नहीं बल्कि अपने अधीनस्थों की परिस्थितियों को समझना भी है। यदि वरिष्ठ अधिकारी संवाद, सहयोग और विश्वास का वातावरण बनाएँ तो अनेक मानसिक संकट प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त हो सकते हैं।

तकनीकी सुधार भी तनाव कम करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल रिकॉर्ड, आधुनिक संचार प्रणाली, पर्याप्त वाहन, बेहतर उपकरण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सरलीकरण पुलिसकर्मियों के अनावश्यक बोझ को कम कर सकते हैं। जब कार्यकुशलता बढ़ेगी तो मानसिक दबाव भी घटेगा।

पुलिस परिवारों को भी सहायता तंत्र से जोड़ा जाना चाहिए। पारिवारिक परामर्श, सामुदायिक समर्थन समूह और नियमित संवाद कार्यक्रम पुलिसकर्मियों तथा उनके परिजनों को भावनात्मक सहारा प्रदान कर सकते हैं। एक मजबूत परिवार मानसिक तनाव के विरुद्ध सबसे प्रभावी सुरक्षा कवच होता है।

मीडिया और समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है। पुलिस की कमियों को उजागर करना लोकतांत्रिक आवश्यकता है लेकिन उनकी मानवीय चुनौतियों को सामने लाना भी उतना ही आवश्यक है। संतुलित विमर्श समाज और पुलिस के बीच विश्वास को मजबूत करता है।

यह भी स्वीकार करना होगा कि मानसिक तनाव किसी व्यक्ति की कमजोरी नहीं बल्कि स्वास्थ्य संबंधी स्थिति है। जिस प्रकार बुखार या रक्तचाप का उपचार कराया जाता है, उसी प्रकार अवसाद, चिंता और भावनात्मक थकान का भी उपचार आवश्यक है। सहायता माँगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस और जागरूकता का संकेत है।

श्रवण कुमार बिश्नोई जैसी घटनाएँ केवल समाचार बनकर न रह जाएँ। वे हमारे लिए चेतावनी बनें कि यदि हम अपने रक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करेंगे तो इसकी कीमत केवल पुलिस विभाग ही नहीं, पूरा समाज चुकाएगा। एक मानसिक रूप से स्वस्थ पुलिस बल ही निष्पक्ष, संवेदनशील और प्रभावी कानून-व्यवस्था की आधारशिला बन सकता है।

वर्दी सम्मान का प्रतीक है लेकिन वह इंसान को मशीन नहीं बना देती। पुलिसकर्मी भी थकते हैं, निराश होते हैं, भावनात्मक सहारे की तलाश करते हैं और कभी-कभी भीतर से बिखर भी जाते हैं। इसलिए उन्हें केवल आदेश, अपेक्षाएँ और आलोचना ही नहीं बल्कि विश्वास, सम्मान, विश्राम और संवेदना भी मिलनी चाहिए।

किसी भी सभ्य समाज की असली पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपने नागरिकों की कितनी सुरक्षा करता है बल्कि इससे भी होती है कि वह अपने रक्षकों का कितना ध्यान रखता है। यदि हम चाहते हैं कि पुलिस हर संकट में हमारे साथ मजबूती से खड़ी रहे तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी अपनी मानसिक दुनिया सुरक्षित, संतुलित और समर्थ बनी रहे। क्योंकि अंततः वर्दी के भीतर धड़कता हुआ दिल भी उसी इंसान का होता है, जो हमारे और हमारे समाज की सुरक्षा के लिए अपने सुख, अपने परिवार और कई बार अपना पूरा जीवन दाँव पर लगा देता है। ऐसी वर्दी को केवल सलाम नहीं बल्कि संवेदनशील व्यवस्था और मानवीय सम्मान भी मिलना चाहिए।

पर्यावरण के लिए ऑक्सीजन जरुरी
वैंकरमेंन टेकनोलांजी से मिलेगा समाथान
बढ़ता प्रदूशण – घटते जंगल
दिल्ली में 0.3 पेड औसतन
भारत मे 28 पेड औसतन
CO_2
O_2
प्रति व्यक्ति 131 पेड़ की आवश्यकता
केवल 0.3 पेड़ औसतन
नई तकनीक
131+
पेडो के
बराबर क्षमता
स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन
BUNKERMAN
Plot No. 20 & 26, HIMUDA Industrial Area Phase IV,
Bhatoli Kalan, Baddi (HP) – 173205
8800604455 | www.bunkermanindia.in | www.bunkerman.in

★ क्लब NPC इंडिया को समर्पित ★
NETWORK FOR PEOPLE OF CONSTRUCTION
CLUB NPC INDIA
क्लब NPC इंडिया
शब्दवाणी समाचार का मासिक विशेषांक
राष्ट्रीय निर्माण एवं जनहित कार्यो में समर्पित व्यक्तित्वों की
प्रेरक गाथाएँ, उपलब्धियों एवं विशेष समाचार
शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के साथ निशुल्क वितरित
विशेषांक ★ | साक्षात्कार ★ | उपलब्धियाँ ★ | समाचार ★ | प्रेरक व्यक्तित्व
निर्माण क्षेत्र, विकास और जनसरोकार के लिए

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
Frigate SolarTech
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1, New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

शब्दवाणी समाचार

ब्रीफ न्यूज़

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार आज इंदौर आएंगे

भोपाल, प्रसं। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार दो दिवसीय प्रवास पर 4 जुलाई को मध्यप्रदेश आ रहे हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पदभार संभालने के बाद यह उनका पहला मप्र दौरा है। दो दिवसीय दौरे के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त इंदौर में 4 जुलाई को बूथ लेवल ऑफिस से बात करेंगे एवं दूसरे दिन 5 जुलाई को ओंकारेश्वर और महेश्वर के भ्रमण पर रहेंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त शाम को इंदौर से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त 4 जुलाई को इंदौर पहुंचेंगे। यहां पर लता मंगेशकर सभागृह में आयोजित बीएलओ कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। इसे दौरान वे इंदौर, उज्जैन, देवास, धार और खंडवा जिले के 1,500 से अधिक बूथ लेवल अधिकारियों के साथ संवाद करेंगे।

टीएमसी ऑफिस भी गंवा बैठीं ममता बनर्जी, ऋतब्रत गुट ने किया कब्जा

कोलकाता, आरएनएन। तृणमूल कांग्रेस में शुक्रवार को एक अहम घटनाक्रम हुआ। टीएमसी के ऋतब्रत खेमे ने कोलकाता स्थित पार्टी के दफ्तर पर कब्जा कर लिया है। ऋतब्रत बनर्जी ऑफिस में ताला लगाकर चाबी अपने पास ले गए हैं। इस गुट के नेताओं ने कहा है कि असली टीएमसी वही हैं। शुक्रवार दोपहर को ऋतब्रत गुट के नेता मेट्रोपॉलिटन ईएम बाईपास स्थित तृणमूल पार्टी कार्यालय गए और एक बैठक की। इस दौरान ऋतब्रत के करीबी नेताओं ने पार्टी कार्यालय के दरवाजे पर नए पोस्टर लगाए और दावा किया कि वे असली तृणमूल हैं। बैठक के बाद उन्होंने पार्टी कार्यालय को ताला लगा दिया और चले गए।

अवैध निर्माण: एक्टर चंद्रचूड़ सिंह के बंगले के बाहर चला बुलडोजर

नई दिल्ली, आरएनएन। हरियाणा के गुरुग्राम में प्रशासन ने अवैध निर्माण के खिलाफ एक बेहद सख्त और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। गुरुग्राम के सबसे पॉश इलाकों में शुमार डीएलएफ फेज 3 में शुक्रवार को जिला योजनाकार (डीटीपी) का बुलडोजर गरजा। इस पूरी कार्रवाई के दौरान जो बात सबसे ज्यादा चर्चा में रही, वो यह कि इसकी जद में बॉलीवुड के मशहूर एक्ट्रेस चंद्रचूड़ सिंह का घर भी आ गया। जानकारी के मुताबिक, अभिनेता के बंगले के बाहर नियमों को ताक पर रखकर अवैध निर्माण किया गया था। जिसे डीटीपी की टीम ने पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई का एक वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। चंद्रचूड़ सिंह के घर के बाहर जो पार्किंग एरिया है, वहां नियमों के विरुद्ध जाकर कुछ निर्माण कार्य करवा लिया गया था।

पंजाब कांग्रेस में टूट के आसार, चन्नी की मीटिंग में 50 नेता पहुंचे

लुधियाना, आरएनएन। बंगाल की तृणमूल कांग्रेस के बाद अब पंजाब कांग्रेस में भी टूट के आसार हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष न बनाए जाने से नाराज पूर्व सीएम और जालंधर सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने घर पर 3 विधायकों समेत 50 पार्टी नेताओं के साथ मीटिंग की। विधायक तृप्त राजिंदर बाजवा ने कहा कि सभी नेताओं ने चन्नी से कहा कि अमरिंदर राजा वड़िंग को प्रधान बनाए जाने पर वे हाईकमान से बात करें। सभी नेता इस फैसले से नाराज हैं और हाईकमान इस फैसले पर रिकंसीडर करे। इस बीच भाजपा के पंजाब प्रधान केवल ढिल्लों ने कहा कि चन्नी अगर बीजेपी में आते हैं तो उनका स्वागत है।

मुख्यमंत्री ने A+ मॉनिटर प्रकरणों की समीक्षा बैठक में प्रकरण पेंडिंग होने पर जताई नाराजगी

सीएम बोले- A+ मींस A+...जिसे हटाना है हटाओ, लेकिन प्रकरण का निराकरण करो

कहा- जब A+ मामलों की ही अनदेखी हो रही है, तो बाकी मामलों का क्या होगा?

● **भोपाल /** (एजेंसी)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में A+ मॉनिटर प्रकरणों की समीक्षा बैठक में प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर अफसरों पर नाराजगी जताई। बैठक में मुख्यमंत्री ने अफसरों से सख्त लहजे में कहा, A+ मींस A+ जिसे हटाना है, हटाओ या नहीं हटाओ, लेकिन प्रकरण का निराकरण करो। उन्होंने यह भी कहा कि सामान्य तौर पर किसी फाइल पर A+ नहीं लिखा जाता। जब किसी मामले को A+ श्रेणी में रखा गया है, तो उस पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब A+ मामलों की ही अनदेखी हो रही है, तो बाकी मामलों का क्या होगा?

बैठक में मुख्यमंत्री के सामने A+ मॉनिटर के तबादला, विकास कार्य और अन्य मामलों की विभागवार सूची रखी गई। सबसे ज्यादा लंबित प्रकरण नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह एवं जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के विभागों के रहे। मुख्यमंत्री के अधीन गृह विभाग में भी कई मामले लंबित पाए गए। मुख्यमंत्री ने सभी विभाग प्रमुखों से जल्द निराकरण रिपोर्ट देने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को याद दिलाया कि 20 मई को तबादला नीति लागू करते समय कैबिनेट ने फैसला किया था कि A+मॉनिटर के लंबित प्रकरणों का निराकरण 31 मई तक कर 1 जून से आदेश जारी कर दिए जाएं। ऐसा नहीं होने पर शुक्रवार को उन्होंने नई समय-सीमा तय करते हुए रात 8 बजे तक सभी आदेश जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नाराजगी पर विभाग प्रमुखों ने कहा कि जिन स्थानों पर A+ मॉनिटर के तहत तबादले प्रस्तावित हैं, वहां कई पद रिक्त नहीं हैं। ऐसे में तत्काल तबादला आदेश जारी करने पर वेतन और पदस्थापना संबंधी दिक्कतें आ सकती हैं। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट कहा कि व्यवस्था बनाना विभागों की जिम्मेदारी है, लेकिन A+ मामलों का निराकरण हर हाल में होना चाहिए।

घोषणाओं के क्रियान्वयन में देरी पर भी सख्त रुख

मुख्यमंत्री ने जिलों में अपनी घोषणाओं के क्रियान्वयन में देरी पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि विभागों से चर्चा के बाद ही घोषणाएं की जाती हैं, फिर भी कई मामलों में महीनों तक कार्यवाही प्रचलन में है लिखकर फाइलें लंबित रखी जाती हैं। उन्होंने सभी विभागों को तीन दिन के भीतर घोषणाओं के क्रियान्वयन की समय-सीमा और कार्ययोजना मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए।

सीएम की डेडलाइन खत्म, A+ तबादला आदेश अटके

बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा तय की गई शुक्रवार रात 8 बजे की डेडलाइन खत्म होने के बाद भी A+ मॉनिटर के कई तबादला आदेश जारी नहीं हो सके। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि उनकी A+ नोटशीट में रिकमेंड किए गए सभी तबादला मामलों का निराकरण कर रात 8 बजे तक आदेश जारी कर दिए जाएं। हालांकि तय सतय बीतने के बाद भी कई विभागों में आदेश लंबित हैं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड

सोनम रघुवंशी की जमानत रहेगी जारी

● **इंदौर / आरएनएन**

सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने से किया इनकार, मांगे दस्तावेज

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत फिलहाल जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की तुरंत सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि सोनम अभी जेल से बाहर है, इसलिए उसकी जमानत पर तुरंत रोक नहीं लगाई जाएगी। मेघालय पुलिस की हाईकोर्ट शिलांग के फैसले के खिलाफ लगी याचिका में सोनम रघुवंशी की जमानत को बनाए रखा गया है।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें हाईकोर्ट के फैसले पर कुछ आपत्तियां हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसमें सभी दस्तावेज और जानकारी बुलाई है। माना जा रहा है कि अगली सुनवाई में ही इस पर अंतिम फैसला संभावित है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की अवकाशकालीन पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के आवेदन पर अर्जेंट सुनवाई की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह सुनियोजित हत्या है।

सोनम ने साथियों के साथ मिलकर पति राजा रघुवंशी की हत्या कर शव को खाई में फेंक दिया था। सोनम को जिला कोर्ट सोहरा से 27 अप्रैल को जमानत मिली थी और हाईकोर्ट शिलांग ने भी 29 जून को मेघालय पुलिस की याचिका खारिज कर दी थी। इसके चलते उसकी जमानत बनी हुई थी।

तीसरी भाषा मूल्यांकन में अब लिखित परीक्षा ही सब कुछ नहीं

सीबीएसई ने मूल्यांकन का तरीका बदला, सुनने, बोलने और रचनात्मक लेखन को भी दिया महत्व

● **नई दिल्ली / आरएनएन**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप व्यावहारिक कौशल पर जोर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने नौवीं में पढ़ाई जाने वाली तीसरी भाषा (आर3) के मूल्यांकन का तरीका बदल दिया है। अब तीसरी भाषा में छात्र केवल लिखित परीक्षा के आधार पर नहीं आंके जाएंगे, बल्कि यह भी देखा जाएगा कि वे भाषा को कितना समझते हैं, कितनी सहजता से बोलते हैं और रोजमर्रा के संवाद में उसका कितना प्रभावी इस्तेमाल कर पाते हैं।

इसके लिए बोर्ड ने नया आर-3 भाषा मूल्यांकन ढांचा लागू करते हुए सभी संबद्ध स्कूलों को इसे इसी शैक्षणिक सत्र से लागू करने के निर्देश दिए हैं। नई व्यवस्था में तीसरी भाषा के 100 अंकों के मूल्यांकन में 40 अंक सुनने और बोलने के कौशल, 15 अंक रचनात्मक लेखन, 30 अंक भाषा अधिगम संसाधनों पर आधारित पढ़ने-लिखने के मूल्यांकन तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए निर्धारित किए गए हैं।

चुनावी लोकतंत्र को मोदी-शाह से खतरा

नई दिल्ली, आरएनएन। एसआईआर को लेकर विपक्षी दल एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर हो गए हैं। अब 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने केंद्र सरकार पर चुनावी लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगाए हुए सीजेआई सूर्यकांत को पत्र लिखा है।

एसआईआर को लेकर 23 विपक्षी दलों ने सीजेआई को लिखा पत्र

पत्र में एसआईआर प्रक्रिया में कथित खामियों और चुनाव संबंधित अन्य मुद्दों पर चिंता जताई है और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इसके साथ ही विपक्ष ने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात करने का भी आरोप लगाया है। अब इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा, देश के चुनावी लोकतंत्र को मोदी-शाह से सबसे बड़ा खतरा है। 28 जून को सीजेआई को लिखे गए पत्र को शुक्रवार को शेयर करते हुए केसी वेणुगोपाल ने कहा, 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर एसआईआर प्रक्रिया में खामियों, भारत के चुनाव आयोग की पक्षपाती भूमिका और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों के बारे में बताया।

देश में पहली बार ईडी ने नीलाम किया जब्त किया गया विमान

3 करोड़ रुपए में बिका फाल्कन ग्रुप का हॉकर 800ए जेट

● **नई दिल्ली/हैदराबाद** (एजेंसी)

देश में पहली बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जब्त किए गए एक विमान की नीलामी कर इतिहास रच दिया है। हैदराबाद जोनल ऑफिस ने हॉकर 800ए विमान को 3 करोड़ रुपये में बेच दिया। यह विमान 792 करोड़ रुपये के कथित पोंजी घोटाले के आरोपी अमरदीप कुमार और उनकी कंपनी से जुड़े मामले में जब्त किया गया था।

ईडी का कहना है कि नीलामी से प्राप्त रकम का इस्तेमाल पीड़ित निवेशकों को राहत देने के लिए किया जाएगा। ईडी के हैदराबाद जोनल कार्यालय ने एक अभूतपूर्व कार्रवाई करते 1 जुलाई 2026 को एमएसटीसी (एमएसटीसी) लिमिटेड के जरिए हॉकर 800ए विमान को 3 करोड़ रुपये में बेच दिया। यह देश में पहली बार हुआ है जब किसी जब्त विमान की नीलामी की गई है। इस कार्रवाई को मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ एजेंसी की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह हॉकर 800ए विमान 7 मार्च 2025 को ईडी द्वारा की गई छापेमारी के दौरान जब्त किया गया था। विमान को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बरामद किया गया था। यह कार्रवाई अमरदीप कुमार, कैपिटल प्रोटेक्शन फोर्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज धनशोधन निवारण अधिनियम के मामले में की गई थी।

फ्री में आधार से ई-मेल लिंक करने की दी गई सुविधा

नई दिल्ली, आरएनएन। यूआईडीएआई ने आधार कार्ड में ई-मेल अपडेट के लिए फिलहाल फीस न लेने का फैसला किया है। यह राहत 1 जुलाई से 31 दिसंबर तक जारी रहेगी। यानी इस बीच में अगर कार्ड धारक अपने आधार कार्ड में नया ईमेल या पुराने ईमेल को अपडेट करते हैं तो उन्हें कोई भी शुल्क नहीं देना होगा। यह छूट अभी 6 महीने तक है।

उम्मीद है कि इससे करोड़ों यूजर्स को फायदा हो सकता है। आधार डेटा में कार्ड धारक के ईमेल अपडेट होने ओटीपी वेरिफिकेशन और ऑनलाइन सेवाओं को एक्सेस करना और डॉक्यूमेंट सेव करना उनके लिए आसान हो जाएगा। अभी मिल रही छूट का फायदा उठाकर फ्री में आधार में ईमेल अपडेट करवा सकते हैं। यह छूट खत्म होने के बाद इसे अपडेट करने पर 75 रुपये का शुल्क देना होगा।

बाथरूम मर्डर — 45 दिन से लापता बताए जा रहे एक शख्स का शव उसके ही घर के बाथरूम में दफन मिला

आगरा में पत्नी ने पति को मारकर बाथरूम में दफनाया

● **आगरा/** (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के आगरा से एक ऐसा हत्याकांड सामने आया है, जिसने पुलिस और स्थानीय लोगों को हैरान कर दिया। करीब 45 दिन तक एक व्यक्ति के लापता होने की कहानी चलती रही, लेकिन जब पुलिस ने घर के बाथरूम की फर्श को तुड़वाया तो नीचे से उसका शव बरामद हुआ। इस मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस पूरी घटना में किसी और की भी भूमिका थी या नहीं। मामला आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र की प्राची टावर चौकी इलाके स्थित रेणुका धाम कॉलोनी का है। यहां रहने वाले 44 वर्षीय सुरेंद्र कुमार शर्मा 18 मई से लापता बताए जा रहे थे। परिवार और रिश्तेदार उनकी तलाश में जुटे हुए थे। इस दौरान उनकी पत्नी रूबी लोगों से यही कहती रही कि सुरेंद्र कहीं चले गए हैं और जल्द वापस लौट आएंगे। बाद में 26 मई को उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई।

पुराने मामले के सत्यापन के दौरान खुला राज

पुलिस के अनुसार जांच के दौरान कई बातें मेल नहीं खा रही थीं। शुक्रवार को पुलिस एक पुराने मामले के सत्यापन के सिलसिले में दोबारा घर पहुंची। इस दौरान पत्नी का व्यवहार पुलिस को संदिग्ध लगा। इसी बीच मृतक के भाई अनिल शर्मा ने भी पुलिस को कुछ अहम जानकारियां दीं। इसके बाद पुलिस ने घर की गहन तलाशी लेने का फैसला किया। तलाशी के दौरान पुलिस की नजर बाथरूम के फर्श पर पड़ी। वहां ताजा प्लास्टर देखकर पुलिस का शक और गहरा गया। इसके बाद बाथरूम के फर्श खुदाई कराई गई। खुदाई के दौरान नीचे से सुरेंद्र कुमार शर्मा का शव बरामद हुआ। शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए।

सुरेंद्र के भाई ने बताई परिवार की स्थिति

मृतक के भाई अनिल शर्मा ने बताया कि सुरेंद्र शराब पीने के आदी थे, जिस कारण पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। उनका कहना है कि सुरेंद्र के लापता होने के बाद रूबी ने ही परिवार को फोन कर घर बुलाया था और बाद में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। परिवार लगातार सुरेंद्र की तलाश करता रहा, लेकिन उन्हें कोई सुराग नहीं मिला।

पूछताछ में पत्नी ने कबूल किया जुर्म

पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी पत्नी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस का कहना है कि उसने बताया कि घटना से पहले ही बाथरूम का काम कराने के लिए मिस्त्री और मजदूर बुलाने की तैयारी कर ली गई थी। हालांकि पुलिस का कहना है कि हत्या की असली वजह और पूरे घटनाक्रम की पुष्टि जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही की जाएगी।

शव को दफनाकर ऊपर लगवाई थीं नई टाइल्स

प्रारंभिक जांच में पुलिस के सामने यह बात आई है कि हत्या के बाद शव को बाथरूम में दफनाया गया। इसके बाद उसके ऊपर मिट्टी डालकर प्लास्टर कराया गया। ताकि किसी को किसी तरह का शक न हो। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इस पूरी योजना में पत्नी के अलावा किसी अन्य व्यक्ति ने भी मदद की थी या नहीं।

तीसरे शख्स को केतन के मर्डर की प्लानिंग पता थी

केतन हत्याकांड: आरोपियों ने क्राइम पेट्रोल देख हत्या का तरीका सीखा

● **पुणे /** (एजेंसी)

पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने बीड से एक युवक को हिरासत में लिया है। यह युवक बालेवाड़ी की एक कंपनी में काम करता है। दावा है कि तीसरा शख्स सिया या चेतन में से किसी एक का दोस्त है। दोनों ने उससे केतन के मर्डर की प्लानिंग शेयर की थी। हालांकि युवक का नाम अभी तक सामने नहीं आया है।

पुलिस युवक को गवाह भी बना सकती है। वहीं, पुलिस सूत्रों के हवाले से जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपी चेतन चौधरी और सिया ने वारदात से पहले टीवी सीरियल क्राइम पेट्रोल के कई एपिसोड देखकर समझने की कोशिश की थी कि हत्या के बाद जांच एजेंसियों को कैसे चकमा दिया जा सकता है। पुलिस का मानना है कि केतन, सिया और चेतन के रिश्ते में बाधा बन रहा था, इसलिए उसकी हत्या की साजिश रची गई।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एक्सिस बैंक	1.56 प्रतिशत
भारतीय स्टेट बैंक	1.13 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.11 प्रतिशत
एलएंडटी	0.83 प्रतिशत
कोटक बैंक	0.68 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,47,977
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,38,216
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.46	93.41
पौंड स्टर्लिंग	128.28	123.69
यूरो	110.30	106.13
चीन युआन	14.92	13.19

अनाज

देसी गेहूं एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

महाराष्ट्र बायोप्लास्टिक्स पॉलिसी-2026 को मंजूरी

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। प्लास्टिक प्रदूषण पर अंकुश लगाने और महाराष्ट्र को हरित विनिर्माण (ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग) का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में महायुति सरकार ने 'महाराष्ट्र बायोप्लास्टिक्स पॉलिसी-2026' को मंजूरी दे दी है। इस नीति के तहत बायोप्लास्टिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन (इंसेंटिव) और विशेष वित्तीय सहायता का व्यापक पैकेज उपलब्ध कराया जाएगा।

- **25 हजार करोड़ रुपए के निवेश करने की योजना**
- **प्रतिवर्ष 2 लाख टन पीएलए व अन्य बायोपॉलिमर उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य**

यह नीति वर्ष 2026 से 2031 तक प्रभावी रहेगी। सरकार का लक्ष्य महाराष्ट्र को बायोप्लास्टिक्स के उत्पादन, अनुसंधान, नवाचार और निर्यात का राष्ट्रीय केंद्र बनाना है। सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से 25,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित होगा, 1.31 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे और 30,039 करोड़ रुपए के राजस्व का सृजन होगा।

नीति के तहत प्रतिवर्ष 2 लाख टन

पीएलए (पॉलीलैक्टिक एसिड) और अन्य बायोपॉलिमर उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही राज्य की आयातित पीएलए पर निर्भरता में 50 प्रतिशत की कमी लाने की योजना है।

सरकार ने चुनिंदा क्षेत्रों में सिंगल-यूज प्लास्टिक के 30 प्रतिशत उपयोग को कम्पोस्टेबल विकल्पों से बदलने, 1 अरब डॉलर के निर्यात और 1 लाख किसानों को बायोप्लास्टिक्स वैल्यू चेन से जोड़ने का भी लक्ष्य निर्धारित किया है।

राज्य मंत्रिमंडल ने इस नीति के लिए 10,892 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय को मंजूरी दी है। इसमें पहले पांच वर्षों के दौरान 782 करोड़ रुपये तथा अगले 20 वर्षों में 10,110 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं, वर्ष 2026-27 के लिए पैकेज स्कीम ऑफ इंसेंटिव्स के तहत 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, पारंपरिक प्लास्टिक कचरे, माइक्रोप्लास्टिक्स, समुद्री प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर जैव-आधारित और जैव-अपघटनीय (बायोडिग्रेडेबल) विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए इस नीति की जरूरत महसूस की गई।

भारत के कंज्यूमर गुड्स सेक्टर की आय वृद्धि दर 2030 तक 17.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली। कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में वर्ष 2025-2030 की अवधि के दौरान आय 17.3 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। ब्रिकवर्क रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में आय में तेज बढ़ोतरी की वजह क्रेडिट ग्रोथ, जीएसटी में कटौती, टियर-2 और टियर-3 शहरों से बढ़ी हुई मांग और प्रीमियम प्रोडक्ट्स की ओर झुकाव है। वहीं, हेल्थकेयर सर्विस सेक्टर के लिए अच्छे संकेतकों में मजबूत रुचि और डेट कवरेज रेश्यो, लगभग 13 अरब डॉलर का मेडिकल टूरिज्म मार्केट और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत प्रोग्राम का विस्तार शामिल है।(ब्रिकवर्क रेटिंग्स के रिसर्च हेड राजीव शरण ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 26 में मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस गतिविधियों के दम पर जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत बनी रहेगी। वित्त वर्ष 27 के लिए वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। 'वित्त वर्ष 27 में महंगाई दर लगभग 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, हालांकि, भू-राजनीतिक जोखिम और अल नीनो पर नजर रखना जरूरी है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 27 में अपने 25 रेटेड सेक्टरों में से 22 के लिए स्थिर क्रेडिट आउटलुक का अनुमान लगाया गया है। इसे मजबूत घरेलू मांग, सरकार के लगातार कैपिटल खर्च, अच्छी बैलेंस शीट, बेहतर ऑपरेटिंग मार्जिन और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के बावजूद अनुमानित कैश फ्लो का समर्थन मिला है। टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम, इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, इंडस्ट्रियल और पावर जेनरेशन सेक्टर को डी-लीवरेजिंग (कर्ज कम करने), पॉलिसी सपोर्ट, नए ट्रेड एग्रीमेंट के तहत निर्यात के मौकों और लंबे समय तक मांग की संभावनाओं से फायदा मिलता है।

भारत के 7 स्टार्टअप्स को मिलेंगे 30-30 लाख रुपए

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के 7 स्टार्टअप्स को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) समर्थित फिक्की-मर्सिडीज-बेंज भारत इनोवेशन एंड बिजनेस आइडियाज चैलेंज प्रोग्राम के तहत फंडिंग के साथ-साथ संरचित मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप्स की तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना और उन्हें निवेश के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, देश भर से आए आवेदनों के बीच आयोजित इस राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज में चयनित प्रत्येक स्टार्टअप को 30-30 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। कार्यक्रम के तहत आयोजित एक वर्चुअल संवाद में डीपीआईआईटी के अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, जिनमें फंडिंग के साथ विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी शामिल हो, भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंपनियां तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने फिक्की और मर्सिडीज-बेंज इंडिया को इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह पहल भारत के तेजी से विकसित हो रहे इनोवेशन इकोसिस्टम और देश के युवा उद्यमियों की अपार क्षमता को दर्शाती है। सिंह ने कहा कि समय पर मिलने वाला मार्गदर्शन और सहयोग नवाचार करने वाले युवाओं को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप समाधान विकसित करने में मदद करता है।

- **मेंटरशिप व विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी दिलाने की योजना**

'चक' ने शुरू किया 'रेस्टोरेंट्स हू केयर क्लब'

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या स्थित रीजेनेरेटिव पैकेजिंग निर्माता पक्का लिमिटेड के प्रमुख ब्रांड 'चक' ने 'रेस्टोरेंट्स हू केयर क्लब' की शुरुआत की है। इस पहल का मकसद रेस्टोरेंट को यह दिखाने में मदद करना है कि उनके यहाँ परोसा जाने वाला भोजन ऐसे पर्यावरण-अनुकूल टेबलवेयर में दिया जा रहा है जो अपने आप विघटित हो जाते हैं। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब बड़ी संख्या में ग्राहक अपने भोजन को लेकर जागरूक हैं। वह अब सिर्फ़ भोजन के स्वाद को नहीं, बल्कि यह भी जानना चाहते हैं कि उनका भोजन कहाँ से आया, कैसे पैक हुआ और किसमें परोसा गया। कई रेस्टोरेंट अब सोच-समझकर कम्पोस्टेबल खाद में बदल जाने वाले टेबलवेयर में भोजन परोसने का विकल्प चुन रहे हैं, लेकिन उनकी

यह कोशिश ग्राहकों की नज़र में नहीं आ पाती। क्लब के सदस्य रेस्टोरेंट को डिस्प्ले सामग्री की एक किट दी जाती है, जिसमें प्रवेश द्वार पर लगने वाला स्टिकर, टेबल-टेंट कार्ड, ट्रे लाइनर, दीवार पर लगाने वाला प्रमाण-पत्र और बिलिंग काउंटर पर रखा जाने वाला डिस्प्ले शामिल है, ताकि यह पर्यावरण-अनुकूल पहल ग्राहकों को साफ़ दिखाई दे। क्लब से अब तक देशभर के 48 रेस्टोरेंट जुड़ चुके हैं और 2030 तक 10,000 रेस्टोरेंट तक पहुँचने का लक्ष्य रखा गया है।

सर्विसेज पीएमआई जून में 57.4 पर रहा

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में जून में सर्विसेज सेक्टर की गतिविधियों में मजबूती देखने को मिली है और सर्विसेज पीएमआई 57.4 पर रहा है। हालांकि,यह मई के आंकड़े 59.8 से कम है। इसकी वजह चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियां और कुछ सर्विसेज में ग्राहकों की रुचि कम होना है, जिससे बिक्री और आउटपुट की वृद्धि दर कम हो गई है। यह जानकारी एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई डेटा में दी गई।

पीएमआई का 50 से ऊपर होना आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी का संकेत है। इसके नीचे होने पर आर्थिक गतिविधियों में गिरावट आती है। पीएमआई डेटा में बताया गया कि मई के मुकाबले जून में सर्विसेज पीएमआई कम रहने की

वजह सर्विसेज आउटपुट का धीमी गति से बढ़ना है। हालांकि, नए निर्यात ऑर्डर में जून में बीते तीन महीनों में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। इसका कारण लागत दबाव कम होना है। एचएसबीसी में मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का सर्विस पीएमआई विस्तार वाले दायरे में बना हुआ है, लेकिन जून में यह घटकर 57.4 पर आ गया, जो पिछले 17 महीनों में सबसे कम है। गति में आई यह कमी बाजार की मुश्किल स्थितियों और कमजोर मांग (खासकर घरेलू मांग)

- **नए निर्यात ऑर्डर तेज गति से बढ़े**

की ओर इशारा करती है। इसके बावजूद, विदेशी मांग अच्छी बनी रही क्योंकि विदेशों में बिक्री मजबूत रही और ग्रोथ तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित एचएसबीसी पीएमआई डेटा में बताया गया कि ग्रोथ दिखाने वाली सर्विस कंपनियों ने कॉम्पिटिटिव प्राइसिंग फैसलों, ई-कॉमर्स की ज्यादा मांग, ग्राहकों की अधिक बुकिंग और बेहतर लोकल टूरिज्म का जिक्र किया। वहीं, कई कंपनियों ने बताया कि मुश्किल मार्केट हालात और उनकी सर्विस में ग्राहकों की कम दिलचस्पी की वजह से यूनिट्स में बिक्री पर असर पड़ा।

सार संक्षेप

एयरटेल ने अमरनाथ यात्रा के लिए मजबूत की कनेक्टिविटी

नई दिल्ली। दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा मार्ग पर अपने मोबाइल नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की। एयरटेल की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस पहल से क्षेत्र में तीर्थयात्रियों, सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय प्रशासन के लिए कनेक्टिविटी और मजबूत हुई है। कंपनी ने बालटाल के अलावा चंदनवाड़ी, पिस्सू टॉप और बेताब घाटी में नेटवर्क साइट तैनात किये हैं जिससे महत्वपूर्ण पहलगाम मार्ग पर नेटवर्क कवरेज बेहतर हुआ है। अब पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर तक जाने वाले पूरे मार्ग पर निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध रहेगी। कंपनी ने बताया कि नेटवर्क विस्तार का यह काम संबंधित सरकारी प्राधिकरणों और स्थानीय प्रशासन के साथ आपसी समन्वय में किया गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 666.93 अरब डॉलर पर

मुंबई। सोने के भंडार में (मूल्य के आधार पर) बड़ी गिरावट के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार शुक्रवार को 5.654 अरब डॉलर घटकर 666.933 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले 19 जून का समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.587 अरब डॉलर पर रहा था। यह विदेशी मुद्रा भंडार का 15 महीने का निचला स्तर है। पिछले साल 28 मार्च को यह 665.40 अरब डॉलर था। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी की मुख्य वजह स्वर्ण भंडार में 5.394 अरब डॉलर की गिरावट रही। यह 26 जून को 102.536 अरब डॉलर रह गया, जो सात नवंबर 2025 के बाद का निचला स्तर है।आलोच्य सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 15 करोड़ डॉलर घटकर 541.067 अरब डॉलर पर आ गया। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा यूरो, जापानी येन और ब्रितानी पाउंड भी शामिल हैं।

बीएलएस ई-सर्विसेज ने खरीदा अतियाती टेक्नोलॉजीज

नई दिल्ली। तकनीक आधारित डिजिटल सेवाएं देने वाली कंपनी बीएलएस ई-सर्विसेज ने बेंगलुरु की एआई आधारित बैंकिंग टेक्नोलॉजी कंपनी अतियाती टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की शत-प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस अधिग्रहण के लिए कंपनी ने 157 करोड़ रुपये का नकद भुगतान किया है। अतियाती टेक्नोलॉजीज बैंकों और वित्तीय संस्थानों को एआई आधारित डिजिटल बैंकिंग समाधान, बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट सेवाएं, माइक्रो-लोन प्लेटफॉर्म और गांव-गांव तक बैंकिंग पहुंचाने वाली सेवाएं उपलब्ध कराती है। कंपनी 35 से अधिक बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ काम करती है। इसके पास 25,900 से अधिक कस्टमर सर्विस प्वाइंट (सीएसपी) हैं, जो देश के लगभग एक लाख गांवों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाते हैं। बीएलएस ई-सर्विसेज ने कहा है कि इस अधिग्रहण के बाद उसकी बैंकिंग तकनीक और मजबूत होगी।

शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन तेजी, बैंकिंग व ऑटो सेक्टर पर दबाव

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दूसरे एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही, हालांकि बैंकिंग और ऑटो सेक्टरों पर दबाव देखा गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 650 अंक चढ़कर खुला लेकिन वह उस स्तर पर अंत तक

- **सेंसेक्स 0.34 प्रतिशत ऊपर 77,763.91 अंक पर रहा**
- **निफ्टी 0.39 प्रतिशत चढ़कर 24,270.85 अंक पर रहा**

टिक नहीं सका। कारोबार की समाप्ति पर सूचकांक पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 261.79 अंक (0.34 प्रतिशत) ऊपर 77,763.91 अंक पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 95.15 अंक यानी 0.39 प्रतिशत चढ़कर 24,270.85 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख सूचकांकों का यह 07 मई के बाद का निचला स्तर है। वृहत बाजार में मिलाजुला रुख रहा।

निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.13 फीसदी गिर गया जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.04 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

आईटी, फार्मा, रियल्टी और स्वास्थ्य सेक्टरों में अच्छी लिवाली देखी गयी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, ऑटो और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों की कंपनियों में बिकवाली का जोर रहा।

एनएसई में आज जिन 3,436 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,823 के शेयर बढ़त में रहे जबकि 1,513 के शेयर गिर गए। अन्य 100 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयर हरे निशान में बंद हुए। आईटी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर सबसे अधिक 5.79 फीसदी उछल गया। बजाज फिनसर्व में 2.13 प्रतिशत की तेजी रही। टेक महिंद्रा तथा भारती एयरटेल के शेयर 1.81 प्रतिशत, सन फार्मा का 1.77, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.62, टाटा स्टील का 1.44, बजाज फाइनेंस का 1.40 और टीसीएस का 1.24 प्रतिशत की बढ़त में रहा। आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और इटरनल के शेयरों में भी तेजी रही।

एक्सिस बैंक का शेयर 1.56 प्रतिशत लुढ़क गया। भारतीय स्टेट बैंक में 1.13 फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.11 फीसदी की गिरावट रही। एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, टाइटन, हिंदुस्तान यूनीलिवर, अडानी पोर्ट्स और इंडिगो के शेयर भी नीचे बंद हुए।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में 2026 की पहली छमाही में निवेश 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेश 2026 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कोलियर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया तनाव के बावजूद भी देश के रियल एस्टेट ने 2026 की जनवरी-जून अवधि में मजबूत निवेश हासिल किया है और यह सेक्टर का छह वर्षों में सबसे अच्छा पहली छमाही का प्रदर्शन है।

रिपोर्ट में बताया गया कि अप्रैल-जून तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 70 प्रतिशत बढ़कर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। घरेलू निवेशकों ने 2.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी, जो कुल निवेश का 57 प्रतिशत था, जबकि विदेशी निवेश सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर हो गया। कॉलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल याग्निक ने कहा, 'पिछले कुछ तिमाही में संस्थागत निवेश में घरेलू निवेशकों का

- **घरेलू निवेशकों ने 2.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी**

योगदान लगातार 60 प्रतिशत तक रहा है, जबकि विदेशी निवेशक अब अधिक सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं और पारंपरिक रियल एस्टेट एसेट्स से हटकर दूसरे क्षेत्रों पर भी ध्यान दे रहे हैं। 2026 की पहली छमाही के दौरान ऑफिस एसेट्स निवेश के लिए सबसे पसंदीदा जगह बने रहे, जिसमें घरेलू निवेशकों ने चालू ऑफिस प्रॉपर्टीज में अधिकतर निवेश किया। साल की पहली छमाही में मिक्स्ड-यूज और वैकल्पिक एसेट्स में से हर एक में लगभग 0.8 अरब डॉलर का निवेश हुआ और कुल निवेश में इनका हिस्सा लगभग पांचवां हिस्सा रहा।

चावल, चीनी, दालों में तेजी, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ चीनी और दालों में भी तेजी रही जबकि गेहूं का भाव टूट गया। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 19 रुपए चढ़कर 3,965 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं दो रुपए सस्ता हुआ और 2,803 रुपए प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत भी दो रुपए गिर गई।

मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 23 रिंगिट गिरकर 4,483 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.21 प्रतिशत की बढ़त में 65.56 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजार में मूंगफली तेल की औसत कीमत 20 रुपए और पाम ऑयल की चार रुपए टूट गई। वनस्पति की कीमत 69 रुपए और सोया तेल की 63 रुपए बढ़ी। सूरजमुखी तेल 36 रुपए और सरसों तेल 11 रुपए महंगा हुआ।

मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 21 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी छह रुपए महंगी हुई।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** दाल चना 7798.23 रुपए, मसूर काली 8109.74 रुपए, मूंग दाल 10178.50 रुपए, उड़द दाल 10982.42 रुपए, तुअर दाल 11305.20 रुपए प्रति क्विंटल रही।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2802.69 रुपए और चावल 3964.83 रुपए प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3256.75 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

विकसित भारत की यात्रा में म्यूचुअल फंड उद्योग निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका : सेबी

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य अमरजीत सिंह ने शुक्रवार को कहा कि घरेलू म्यूचुअल फंड (एमएफ) उद्योग ने उल्लेखनीय प्रगति की है और देश के वित्तीय बाजारों में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा है, लेकिन इसमें अब भी विकास की काफी संभावनाएं हैं और यह विकसित भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

श्री सिंह ने यहां उद्योग संगठन एसोचैम के 17वें म्यूचुअल फंड शिखर सम्मेलन में कहा, 'यह देखकर खुशी होती है कि देश का म्यूचुअल फंड उद्योग आज हमारे वित्तीय बाजारों में एक महत्वपूर्ण शक्ति बन चुका है और तीन प्रमुख आयामों पर प्रभावी भूमिका निभा रहा है। यह परिवारों को पारदर्शी एवं लागत प्रभावी तरीके से दीर्घकालिक संपत्ति

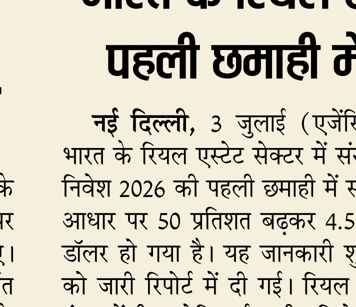

निर्माण में भागीदारी का अवसर देता है। यह देश की आर्थिक वृद्धि के लिए स्थिर एवं धैर्यवान घरेलू पूंजी उपलब्ध कराता है। सूचीबद्ध कंपनियों में एक महत्वपूर्ण शेयरधारक के रूप में यह बेहतर कॉरपोरेट प्रशासन को बढ़ावा देता है। विकसित भारत की यात्रा में इन तीनों क्षेत्रों में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, 'हमने उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अवसर अभी भी बहुत बड़ा है क्योंकि करोड़ों भारतीय परिवार अब भी

> **यह देखकर खुशी होती है कि देश का म्यूचुअल फंड उद्योग आज हमारे वित्तीय बाजारों में एक महत्वपूर्ण शक्ति बन चुका है और तीन प्रमुख आयामों पर प्रभावी भूमिका निभा रहा है : सेबी**

म्यूचुअल फंड से जुड़े नहीं हैं। उन्हें जोड़ने के लिए उत्पाद विकास, वितरण व्यवस्था और निवेशक संवाद में नवाचार के साथ निवेशक संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाने पर उसे दोबारा बनाना बेहद कठिन होता है।' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी हितधारकों - नियामकों, उद्योग जगत, वितरकों, निवेशक संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों - के सामूहिक प्रयासों से ऐसा निवेश तंत्र तैयार हो सकता है जो विकसित भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप हो।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

क्रोएशिया को 2-1 से हराकर पुर्तगाल ने अगले दौर में बनाई जगह

पुर्तगाल वर्ल्ड कप के टॉप 16 में रामोस ने टीम को दिलाई बढ़त

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने शुक्रवार को क्रोएशिया को 2-1 से हराया। अब पुर्तगाल का मुकाबला 2010 की चैंपियन स्पेन से 7 जुलाई को होगा।

स्पेन ने ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराया। टीम ने 2010 के बाद पहली बार नॉकआउट मैच जीता है। एक अन्य मैच में स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को हराकर लगातार चौथी बार टॉप-16 में जगह बनाई। टोरेंटो स्टेडियम में इवान पेरिशिच ने हाफ टाइम के बाद गोल कर क्रोएशिया को 1-0 से आगे कर दिया। 68वें मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी पर बराबरी का गोल दागा। फुल टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। इंजरी टाइम में गोंसालो रामोस ने हेडर से गोल कर पुर्तगाल की जीत लगभग पक्की कर दी। आखिरी क्षणों में क्रोएशिया ने बराबरी का गोल किया, लेकिन वीएआर रिव्यू के बाद मारियो पासालिच ऑफसाइड पाए गए और गोल रद्द कर दिया गया। इस फैसले से नाराज क्रोएशियाई प्रशंसकों ने मैदान पर बोतलें फेंकी और रेफरी के खिलाफ विरोध जताया। पहले हाफ में पुर्तगाल का दबदबा रहा, लेकिन टीम गोल नहीं कर सकी। हाफ टाइम के बाद जोसिप स्टानिशिच के क्रॉस पर इवान पेरिशिच ने 53वें मिनट में गोल कर क्रोएशिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। 68वें मिनट में पुर्तगाल को मिली पेनल्टी पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने स्कोर 1-1 कर दिया। यह वर्ल्ड कप नॉकआउट मुकाबलों में रोनाल्डो का पहला गोल है। वे इस स्टेज में गोल करने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने 41 साल 147 दिन की एज में गोल दागा। मैच एक्स्ट्रा टाइम में जाता दिख रहा था। लेकिन इंजरी टाइम में राफेल लियाओ के क्रॉस पर गोंकालो रामोस ने हेडर से पुर्तगाल को 2-1 की बढ़त दिला दी।

स्पेन ने 2010 के बाद पहला नॉकआउट मैच जीता, ऑस्ट्रिया को हराया

स्पेन ने पूरे मैच में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और टूर्नामेंट का अपना सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीम ने लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट रखी। ऑस्ट्रिया गोल पर एक भी शॉट नहीं लगा सका और गोलकीपर उनाई सिमोन को एक भी सेव नहीं करना पड़ा। पहले हाफ में शुरुआती सावधानी के बाद स्पेन ने हाइड्रेशन ब्रेक के बाद आक्रमण तेज किया। 36वें मिनट में मार्क कुकुरेला के पास पर मिकेल ओयारजाबाल ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा गोल था। दूसरे हाफ में स्पेन ने लगातार दबाव बनाए रखा। एलेक्स बैएना ने मूव बनाया और उनका पास पेड्रो पोरो तक पहुंचा। पोरो ने हेडर से गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। 89वें मिनट में कुकुरेला ने पास दिया, जिस पर ओयारजाबाल ने अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल कर जीत पक्की कर दी।ऑस्ट्रिया के गोलकीपर अलेक्जेंडर श्लेगर ने छह बचाव किए इसके बावजूद टीम हार नहीं टाल सकी। ऑस्ट्रिया 1998 के बाद पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचा था। आखिर में स्पेन ने मैच को 3-0 से अपने नाम किया।

उनाई ने 519 मिनट तक नहीं होने दिया गोल

फीफा विश्व कप 2026 में स्पेन ने राउंड ऑफ 16 में जगह पक्की कर ली है। राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में स्पेन का सामना ऑस्ट्रिया से हुआ। इस मैच को स्पेन ने 3-0 से अपने नाम किया। इसके साथ ही स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन के नाम विश्व रिकॉर्ड बना गया है। फीफा विश्व कप में लगातार 5 मैचों में उनके खिलाफ गोल नहीं लगा है। इस टूर्नामेंट के ग्रुप राउंड में स्पेन का मुकाबला केप वर्डे, सऊदी अरब और उरुग्वे से हुआ था। इन तीनों ही मैच में स्पेन की टीम के खिलाफ गोल नहीं लगा था। पिछले फीफा विश्व कप के स्पेन के खिलाफ मैच में भी निर्धारित समय तक उनके खिलाफ गोल नहीं पड़ा था। उनाई साइमन के खिलाफ अभी तक कुल 519 मिनट तक कोई भी विपक्षी टीम गोल नहीं कर पाई है। यह फीफा विश्व कप में सबसे लंबे समय तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड है।

भारत-इंग्लैंड के बीच दूसरा टी20 मुकाबला आज होगा

भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से होगी शुरुआत

● मैनचेस्टर / (एजेंसी)

भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाना है। पहला मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया था, जहां दूसरी पारी शुरू होने से ठीक पहले बारिश ने खेल का मजा किरकिरा कर दिया था।

पहले मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 189 रन बनाए थे। वर्तमान में यह सीरीज 0-0 की बराबरी पर है । मैनचेस्टर में मैच के दिन आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। टॉस से पहले हल्की बारिश की संभावना जताई गई है, लेकिन मैच के दौरान बारिश की आशंका काफी कम रहेगी। स्थानीय समयानुसार दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक बारिश की संभावना 24 प्रतिशत से घटकर 13 प्रतिशत तक रहने का अनुमान है। हालांकि, मैच खत्म होने के समय यानी स्थानीय समयानुसार शाम 7 बजे के आसपास बारिश की संभावना थोड़ी बढ़ जाएगी।

संभावित प्लेइंग-11 :

भारत: संजू सैमसन/वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड: फिल सॉल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), हैरी ब्रूक (कप्तान), जैकब बेथेल, टॉम बेंटन, सैमसन करन, विल जैक्स, लियाम डॉवसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद, ल्यूक वुड/जोफ्रा आर्चर।

कपिल ने विराट और सचिन से की वैभव की तुलना

नई दिल्ली, आरएनएन। भारत को पहली बार विश्व विजेता बनाने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव का कहना है कि सूर्यवंशी की उम्र नहीं देखकर उनकी क्षमता को देखना चाहिए। कपिल का ये भी मानना है कि सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली की तरह ही सूर्यवंशी भी उतने ही शानदार खिलाड़ी हैं। उनकी ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब वैभव के इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार फैंस को भी है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर है, जहां 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। इससे पहले टीम इंडिया ने आयरलैंड का दौरा किया था, जहां भारत को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था। उम्मीद थी कि सूर्यवंशी को आयरिश टीम के खिलाफ पदार्पण का मौका मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। अब दूसरे मैच से पहले कपिल देव ने बड़ा बयान दिया है। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ''मैंने उन्हें अधिक खेलते हुए नहीं देखा है। बिल्कुल ही वे बहुत ही प्रतिभा वाले खिलाड़ी हैं। हालांकि, मुझे लगता है कि हम उनके बारे में कुछ अधिक ही बातें कर रहे हैं। उन्हें इस तरह से बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं करना चाहिए।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित

हैरी ब्रूक को मिली टीम की कमान, जो रूट भी किए गए शामिल

● लंदन / (एजेंसी)

भारत के खिलाफ इस महीने खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज के लिए हैरी ब्रूक को इंग्लैंड की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम में पहली बार ऑलराउंडर जेम्स कोल्स को जगह मिली है। इससे पहले उन्हें भारत के खिलाफ इंग्लैंड की टी20 टीम में शामिल किया गया था। जोश टंग भी टीम में शामिल हैं, हालांकि उन्हें अब तक वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका नहीं मिला है।

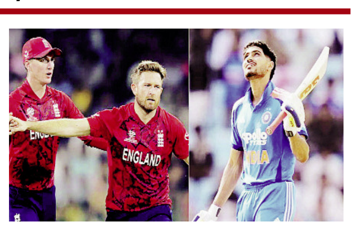

तारीख	भारतीय समय	मैच	स्थान
14 जुलाई	दोपहर 3 :30 बजे	पहला वनडे	एजबेस्टन
16 जुलाई	शाम 5 :30 बजे	दूसरा वनडे	सोफिया गार्डन्स
19 जुलाई	दोपहर 3 :30 बजे	तीसरा वनडे	लॉर्ड्स

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, जो रूट और जोश टंग।

भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार।

7वीं बार ऑस्ट्रेलिया की विमंस टी20 विश्व कप ट्रॉफी पर नजर

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच फाइनल मुकाबला कल खेला जाएगा

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

विमंस टी20 विश्व कप 2026 अब अपने अंजाम तक पहुंच गया है। टूर्नामेंट की 2 बेस्ट टीम मिल गई हैं। पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को और दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल का टिकट कटाया। फाइनल मुकाबला रविवार, 5 जुलाई को लंदन के एतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर खेला जाएगा। मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होगा। वहीं टॉस 7:30 बजे होगा। ऑस्ट्रेलिया विमंस टी20 विश्व कप की सबसे सफल टीम है।

इस टीम ने अब तक 6 बार टी20 विश्व कप खिताब पर कब्जा जमाया है। ऐसे में रविवार को सोफी मोलिनक्स की नजर 7वीं ट्रॉफी पर होगी।

विमंस टी20 विश्व कप विनर टीम

2009 इंग्लैंड	2012 ऑस्ट्रेलिया	2016 वेस्टइंडीज	2020 ऑस्ट्रेलिया
2010 ऑस्ट्रेलिया	2014 ऑस्ट्रेलिया	2018 ऑस्ट्रेलिया	2023 ऑस्ट्रेलिया

इंग्लैंड विमंस टीम

नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), लॉरेन बेल, ऐलिस कैप्सी, टिली कॉर्टीन-कोलमैन, शार्लेट डीन, सोफिया डंकली, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, डैनियल गिब्सन, एमी जोन्स, फ्रेया केम्प, हीदर नाइट, लिंसी स्मिथ, इस्सी वोंग, डैनी वायट-हॉज।

ऑस्ट्रेलिया विमंस टीम

सोफी मोलिनक्स (कप्तान), जॉर्जिया वेयरहम, जॉर्जिया वोल, एनाबेल सदरलैंड, मेगन शूट, एलिस पेरी, बेथ मूनी, फीबी लिचफील्ड, अलाना किंग, ग्रेस हैरिस, लूसी हैमिल्टन, किम गार्थ, निकोला कैरी, ताहलिया मैकग्राथ, एशले गार्डनर।

सुदर्शन ने लगाया शतक पडिक्कल 94 पर नाबाद

इंडिया ए का श्रीलंका को करारा जवाब

● गाले / (एजेंसी)

इंडिया ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच के पहले दिन श्रीलंका ए ने दमदार बैटिंग की। लेकिन इसके बाद मैच का दूसरा दिन इंडिया ए के नाम रहा। श्रीलंका ए का स्कोर एक समय 5 विकेट पर 305 रन था। यहां से इंडिया ए के गेंदबाजों ने पारी को 366 रनों पर ही समेट दिया। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंडिया ए ने 247 रन बना लिए हैं। अभी तक सिर्फ एक ही विकेट गिरा है। साई सुदर्शन शतक लगा चुके हैं तो देवदत्त पडिक्कल भी नाइंटीज में खेल रहे हैं। श्रीलंका ए के लिए दूसरे दिन कप्तान सहान अराच्चिगे ने शतक पूरा किया। निचले क्रम में किसी बल्लेबाज ने लंबे समय तक उनका साथ नहीं निभाया। इंडिया ए की तरफ से तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने 4 विकेट लिए तो स्पिनर सारांश जैन को भी 4 ही विकेट मिले। श्रीलंका ए के टॉप-6 में शामिल सभी बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिली लेकिन सिर्फ सहान ही 50 के आंकड़े को पार कर पाए।

साई सुदर्शन का 11वां फर्स्ट क्लास शतक

इंडिया ए को साई सुदर्शन और अमन मोखाडे ने ठोस शुरुआत दिलाई। पहले विकेट के लिए दोनों के बीच 66 रनों की साझेदारी हुई। 48 गेंदों प 6 चौकों की मदद से 38 रन बनाकर अमन आउट हुए। इसके बाद बैटिंग करने उतरे देवदत्त पडिक्कल साई सुदर्शन के साथ क्रीज पर टिक गए। 85 गेंदों पर सुदर्शन ने फिफ्टी पूरी की तो 67 गेंदों पर ही पडिक्कल 50 रनों तक पहुंच गए। दिन के आखिरी सेशन में साई सुदर्शन ने 166 गेंदों पर अपना 11वां फर्स्ट क्लास शतक पूरा किया। उन्होंने सीरीज के पहले मैच में भी शतक ठोका था। भारत के लिए टेस्ट में नंबर-3 पर खेलने वाले साई स्टंप के समय 104 रन बनाकर टिके थे।

किप्सन को हराकर फ्रिट्ज तीसरे दौर में पहुंचे

फ्रिट्ज को पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश

● लंदन, रायटर / (एजेंसी)

पिछले साल के सेमीफाइनलिस्ट टेलर फ्रिट्ज ने विंबलडन में अपना शानदार सफर जारी रखा। उन्होंने हमवतन अमेरिकी पैट्रिक किप्सन को 6-2, 6-2, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में जगह बना ली और अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर एक और कदम बढ़ा दिया। फिट्ज ने 12 महीने पहले ऑल इंग्लैंड क्लब में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। छठी वरीयता प्राप्त इस खिलाड़ी ने पिछले दौर में दुसान लाजोविच पर भी सीधे सेटों में जीत के बाद एक और शानदार प्रदर्शन किया। जीत के बाद फ्रिट्ज ने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि दिन के बाकी समय में मेरे पास काफी समय है।

स्वियातेक ने पार की प्लिस्कोवा की चुनौती

मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक ने विंबलडन में तीसरे दौर में पहुंचने के लिए विश्व की पूर्व नंबर-1 कैरोलिना प्लिस्कोवा की मुश्किल चुनौती को आसानी से पार कर लिया। टखने की चोट के कारण लगभग अपना करियर खत्म होने के बाद वापसी कर रहीं 34 वर्षीय चेक खिलाड़ी की प्लिस्कोवा ने कुछ जबरदस्त शॉट लगाए, लेकिन वह स्वियातेक का मुकाबला नहीं कर सकीं और 6-1, 6-3 से हार गईं। वहीं चैंपियन के श्राप को तोड़ने और एक दशक में विंबलडन का खिताब बरकरार रखने वाली पहली महिला बनने की कोशिश कर रहीं स्वियातेक धूप में शानदार लय में दिखीं। उन्होंने पहला सेट 25 मिनट में जीत लिया, हालांकि बाद में उन्हें थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ी।

गुकेश ने अनीश गिरी को दी मात, दूसरे स्थान पर पहुंचे

क्रोशिया ग्रैंड चैस टूर रैपिड

● जाग्रेब / (एजेंसी)

भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश नें ग्रैंड चैस टूर के दूसरे रैपिड पड़ाव क्रोशिया में दूसरे दिन अच्छा खेल दिखाते हुए सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पहले दिन गुकेश को फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं उन्होंने मेजबान देश के इवान सारिक को मात दी थी और दिन का अंत उन्होंने हमवतन प्रज्ञानन्दा से ड्रा खेलते हुए किया था। दूसरे दिन के पहले राउंड में उन्हें रोमानिया के बोगदान डेनियल से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बाद गुकेश नें लगातार दो बाज़ियों में क्रमशः नीदरलैंड के यान फारेस्ट जॉर्डन और अनीश गिरी को पराजित करते हुए 4 अंक हासिल किए और 7 अंकों के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब अंतिम दिन उन्हें उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव , जर्मनी के विंसेंट केमर और फ्रांस के अलीरेजा फिरोज़ा का सामना करना है ।

जुनून 27 देशों और 4 महाद्वीपों की करीब 25 हजार किलोमीटर यात्रा की, जैकब अलबर्टी साइकिल से ही लौटेंगे जर्मनी

फीफा विश्व कप देखने साइकिल से यात्रा कर अमेरिका पहुंचे जैकब

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

फीफा विश्व कप 2026 में दुनिया भर से लाखों प्रशंसक अमेरिका पहुंचे हैं, लेकिन जर्मनी के 26 वर्षीय जैकब अल्बर्टी की कहानी सबसे अलग है। जैकब ने विश्व कप देखने के लिए विमान या ट्रेन नहीं, बल्कि साइकिल का सहारा लिया और करीब 25 हजार किलोमीटर की यात्रा तय कर अमेरिका पहुंचे। इस दौरान उन्होंने 27 देशों और चार महाद्वीपों

2024 में शुरू किया था सफर

जर्मनी के कार्लजरूए शहर के रहने वाले जैकब ने 18 अगस्त 2024 को अपनी यात्रा शुरू की थी। उनका मकसद सिर्फ विश्व कप देखना नहीं था, बल्कि दुनिया की परिक्रमा करते हुए अमेरिका पहुंचना और फिर साइकिल से ही अपने घर लौटना था। यात्रा के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रिया, बाल्कन क्षेत्र, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात, भारत, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों का दौरा किया। इसके बाद वह उत्तरी अमेरिका पहुंचे और विश्व कप के मैचों का आनंद लिया।

भारत के अनुभव को बताया खास

जैकब ने फीफा से बातचीत में भारत के अनुभव को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि भारत में लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कई जगह लोग उनकी कहानी सुनने के लिए रुके, उनके साथ तस्वीरें खिंचवाई और आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। हालांकि फीफा विश्व कप 2026 से जर्मनी की टीम बाहर हो चुकी है, लेकिन जैकब की यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है। विश्व कप समाप्त होने के बाद वह अमेरिका के पूर्वी तट तक साइकिल से जाएंगे।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
245 = 1	255 = 2
389 = 0	679 = 2

शुभांक

दिन	रात
145 = 0	500 = 5
120 = 3	478 = 9

भाग्यांक

3 4 6 9

www.kalyangame.com

सामंथा के फैंस के लिए खुशखबरी, 'मां इंटी बंगारम' का बनेगा सीक्वल

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का सीक्वल बनने वाला है। इस बात की पुष्टि खुद फिल्म के राइटर राज निदिमोरू ने की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

'मां इंटी बंगारम' की जबरदस्त सफलता के बाद विजाग में एक ग्रैंड सक्सेस मीट रखा गया था। इसी दौरान राज निदिमोरू ने फैंस को सरप्राइज देते हुए बताया कि फिल्म का दूसरा पार्ट भी आएगा। राज ने पहले वहां मौजूद लोगों से पूछा कि क्या वे इस कहानी को आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। जैसे ही लोगों ने जोरदार तालियां और चीयर किया, उन्होंने सीक्वल की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में पहले से एक आइडिया है। वही टीम इस पर काम करेगी। पहली बार मुझे किसी फिल्म का दूसरा पार्ट बनाने की प्रेरणा मिली है। इसमें दोगुना मजा और दोगुना एक्साइटमेंट होगा। आगे चलकर मैं इसके बारे में और जानकारी दूंगा।'

'मां इंटी बंगारम' को मिल रहा प्यार

राज ने यह भी बताया कि 'मां इंटी बंगारम' को लोगों से इतना प्यार मिला कि उन्हें अपने पुराने हिट प्रोजेक्ट्स से भी ज्यादा खुशी हुई, क्योंकि यह फिल्म सीधे दिल को छू गई। नंदिनी रेड्डी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सामंथा रुथ प्रभु के साथ गुलशन देवैया, श्रीमुखी और दिगंत मंचले नजर आए। इस फिल्म को सामंथा, राज निदिमोरू और हिमांशु ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। बॉक्स ऑफिस की बात करें तो यह फिल्म महिला लीड पर आधारित फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। पहले हफ्ते में ही इसने भारत में करीब 35 करोड़ रुपये की कमाई की और दुनियाभर में 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया।

'मां इंटी बंगारम' की कहानी

1980 के दौर पर आधारित इस कहानी में सामंथा 'स्वर्णा' का किरदार निभा रही हैं, जो अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ एक डॉक्टर से शादी करती है। शुरुआत में उसे ससुराल वालों का प्यार नहीं मिलता, लेकिन धीरे-धीरे वह सबका दिल जीत लेती है। तभी उसका अतीत लौटकर उसकी जिंदगी में उथल-पुथल मचा देता है।

'बिग बॉस' और 'लॉक अप' से 'अलायंस' की तुलना होने पर बोले कुणाल खेमू

कुणाल खेमू ने कहा कि बिग बॉस ने इंडियन रियलिटी टीवी में अपनी एक अलग पहचान बना ली है और आज हर शो की सफलता को उसी से तुलना करके देखा जाता है। लेकिन उनका मानना है कि 'अलायंस' बाकी शोज से अलग है।

दर्शकों को नया स्वाद मिल सके

उन्होंने बातचीत में कहा, 'आपको सिर्फ अलग दिखने के लिए अलग होने की जरूरत नहीं है। हम एक फॉर्मेट को फॉलो कर रहे हैं और उसे इसलिए चुना गया क्योंकि वह आज के शोज से अलग है। फिल्मों की तरह, जब कोई चीज चलती है तो हर कोई वैसा ही करना चाहता है। रियलिटी शोज इसलिए बनते हैं क्योंकि लोग उन्हें देखना पसंद करते हैं। अगर कोई नहीं देखता, तो ये बनते ही नहीं। हर कोई कुछ नया करने की कोशिश कर रहा है ताकि दर्शकों को नया स्वाद मिल सके।'

क्यों शो के होस्ट बने कुणाल

कुणाल ने यह भी बताया कि आखिर उन्होंने रियलिटी शो में होस्ट के तौर पर डेब्यू करने का फैसला क्यों लिया। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा यह जानने की उत्सुकता थी कि ये शोज बनते कैसे हैं और इनके पीछे क्या होता है। सामने बैठकर ड्रामा को अनफोल्ड होते देखना कैसा होता होगा? रियलिटी टीवी को लेकर हमेशा एक सवाल रहता है- क्या ये स्क्रिप्टेड होता है या नहीं? कम से कम अब मुझे इसका जवाब मिल जाएगा।' हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि शो का अनस्क्रिप्टेड होना उनके लिए जरूरी नहीं था, और वह खुले दिमाग के साथ इस प्रोजेक्ट में आए।

बता दें कि 'अलायंस' 26 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुका है। इस शो में रवि किशन, जैद दरबार, नीति टेलर, मिनी माथुर, डॉली जावेद, कुशाल टंडन, अर्सलान गोनी, पायल गेमिंग, सब्बी सूरी, रुही दोसानी, रिवा किशन, डेजी शाह और वंशज जैसे कई कलाकार नजर आ रहे हैं।

कंगना रनौत की 'लॉक अप 2' में वापसी, बनकर आएंगी 'जनता की आवाज'

अभिनेत्री कंगना रनौत इस हफ्ते के आखिर में नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' में एक खास मेहमान के रूप में दिखाई देंगी। इस बार वह शो में 'जनता की आवाज' बनकर एंट्री लेंगी।

खबर के अनुसार, शो से पहले कंटेस्टेंट के एलिमिनेशन के दौरान कंगना मुख्य होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख के साथ जूरी का हिस्सा बनेंगी। कंगना ने कहा कि यह शो सच को स्वीकार करने के बारे में है और यहां हर फैसले की एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस शो के पिछले सीजन को खुद कंगना ने ही होस्ट किया था, इसलिए उनकी वापसी से फैंस काफी उत्साहित हैं। इस नए सीजन में धीरज धूपर, हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी समेत 15 कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

फिल्म 'क्वीन 2' की शूटिंग हुई पूरी

टीवी शो के अलावा कंगना अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल यानी 'क्वीन 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। कंगना ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस फिल्म की मुख्य शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। उन्होंने पूरी टीम के साथ इसका जश्न भी मनाया। हाल ही में कंगना रनौत फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नजर आई थीं, जो 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

पैपराजी पर जमकर भड़कीं नेहा धूपिया

'ये बदतमीजी से बैकशॉट कौन लेता है तुम लोगों में से? कौन लेता है? बंद करो।' सोमवार रात एक इवेंट में शामिल हुई नेहा धूपिया ने सख्ती से यह बात पैपराजी के सामने कही। नेहा इस बात से बहुत नाराज हैं कि कई पैपराजी एक्ट्रेसेस के बैक शॉट लेते हैं, जो बहुत ही खराब ढंग से लिए जाते हैं। वायरल वीडियो में नेहा कहती हैं, 'मेरा बैक शॉट नहीं लेना है। किसी का भी बैक शॉट नहीं लेना है। बोल बोल कर थक गए हैं। बैग उठाकर, किताब उठाकर, पीछे चलकर देख लिया। यह सब नहीं चलेगा अब। बंद करो यह सब। हमलोग बहुत इज्जत से बात करते हैं, आप लोगों से। आप लोग यह सब मत करो।'

यह नई बात नहीं है कि पैपराजी के बैक शॉट लेने की आदत से एक्ट्रेसेस परेशान हैं। पहले भी गौहर खान, भारती सिंह इस मामले पर खुलकर बात कर चुकी हैं। गौहर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके पैपराजी को लताड़ा था। गौहर ने कहा था, 'क्या पैप्स छेड़छाड़ के कल्चर को बढ़ावा नहीं दे रहे हैं? ऐसे बहुत से लोग हैं जो लगातार अभद्र टिप्पणियां करते रहते हैं। आप लोग अपनी लिमिट पार नहीं कर सकते हैं।' वहीं कॉमेडियन भारती सिंह ने भी अपने शो 'लाफ्टर शेफ 2' में पैपराजी की क्लास ली थी।

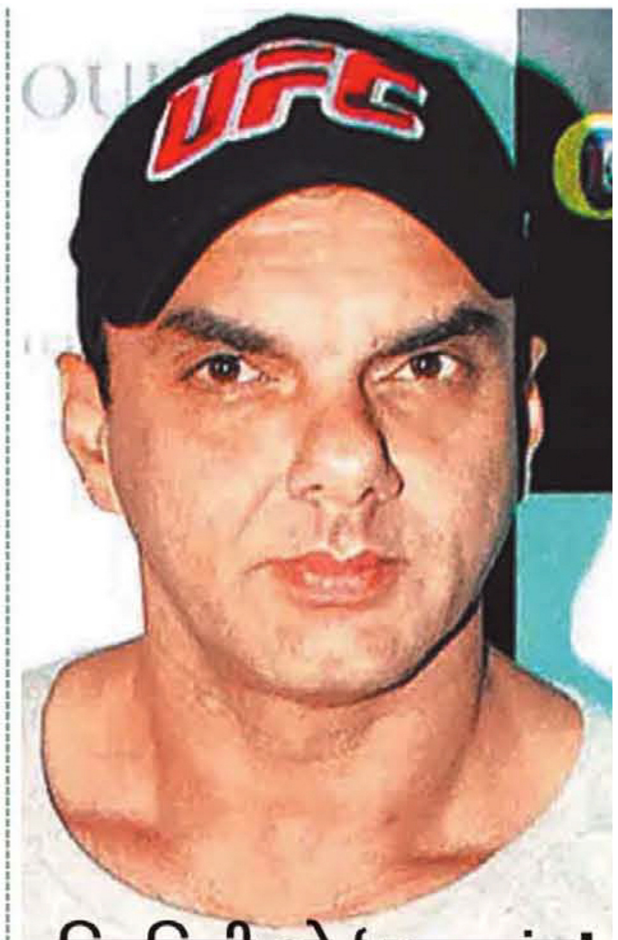

रियलिटी शो 'अलायंस' में एंट्री पर सोहेल खान को क्यों सता रहा डर?

बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर सोहेल खान जल्द ही रियलिटी शो 'अलायंस' में शामिल है। इस शो को कुणाल खेमू होस्ट कर रहे हैं। सोहेल खान कई टीवी शो में बतौर जज तो हिस्सा ले चुके हैं, मगर यह पहला मौका है जब वे प्रतिभागी के तौर पर जुड़ेंगे। हाल ही में अपने नए सफर पर सोहेल खान ने बात की। साथ ही यह भी बताया कि उन्हें एक डर सता रहा है।

मुझे झूठ बोलना नहीं आता

सोहेल ने कहा कि उन्हें गेम खेलना और लोगों को मैनिपुलेट करना नहीं आता, इसलिए उन्हें डर है कि कहीं वे पहले हफ्ते में ही शो से बाहर न हो जाएं।

सोहेल खान

ने कहा, 'मैं मतलब ज्यादा सोचता नहीं हूं, मन में जो सच है वही करता हूं, तो मेरा एक ही थोड़ा सा डर है के मुझे झूठ बोलना और गेम्स खेलना नहीं आता। हेरफेर नहीं आता तो मुझे लगता है में पहले हफ्ते ही आउट हो जाऊंगा। कोई भी मुझे ऐसे पकड़ ले सकता है'।

क्यों पसंद आया यह शो

इससे पहले सोहेल ने शो में हिस्सा लेने की पुष्टि करते हुए कहा, 'जब 'अलायंस' का ऑफर मेरे पास आया, तो मैं सचमुच उत्साहित था, क्योंकि यह कोई आम रियलिटी शो नहीं है। इसने मुझे इसलिए आकर्षित किया, क्योंकि यह सिर्फ टास्क जीतने तक नहीं है। यह लोगों, भरोसे और लगातार बदलती स्थितियों के अनुसार खुद को ढालने के बारे में है। मुझे चुनौतियां लेना पसंद है और यह मुझे सही चुनौती लगी। मैं सभी से मिलने को उत्साहित हूं। साथ यही यह भी देखने के लिए कि यह गेम आगे कैसे बढ़ता है'।

कहां देख सकते हैं 'अलायंस'

सोहेल ने आगे कहा, 'मैं एक ऐसे परिवार से हूं, जहां वफादारी सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है। लेकिन मैं यह भी समझता हूं कि 'अलायंस' जैसे गेम में नियम अलग होते हैं। समीकरण रातों-रात बदल सकते हैं और भरोसा हर दिन कमाना पड़ता है। मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनूंगा। जैसा हूं वैसा ही रहूंगा। अपना गेम खेलूंगा। बाकी तो फिर समय ही बताएगा'। बता दें कि 'अलायंस' के नए एपिसोड हर दिन दोपहर 12 बजे प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होते हैं।

मेरे लिए फिजिकल और इमोशनल दोनों ही ट्रांसफॉर्मेशन मुश्किल

रियलिटी शो से लेकर टीवी और अब ओटीटी तक शालीन भनोट ने अपने करियर में लगातार नए मोड़ देखे हैं। उतार-चढ़ाव, चर्चाओं और निजी जिंदगी पर हुई सार्वजनिक बहसों के बीच उन्होंने एक बात नहीं बदली, जहां जरूरी नहीं होता, वहां वह चुप रहना बेहतर है। अपने किरदारों के लिए सख्त अनुशासन अपनाने वाले शालीन मानते हैं कि फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन जितना कठिन होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण मानसिक बदलाव भी होता है। पिछले दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा में रहे।

अपना दायरा हमेशा मेंटेन करता हूं

शालीन भनोट ने कहा- मेरी जिंदगी के कई फेज पब्लिक डिस्कशन में रहे पर मैंने कोई दूरी नहीं बनाई। दरअसल, मेरी पर्सनल लाइफ मेरी है। मेरा अपना एक दायरा है और मैं उसे हमेशा मेंटेन करता हूं। मैं हमेशा से ऐसा करता आया हूं। प्रोफेशनल लाइफ अपनी जगह है। मुझे इसमें कोई तकलीफ नहीं होती। मैंने कोई दायरा बनाने के बारे में अलग से सोचा भी नहीं है। मेरी पब्लिक मेरी सब कुछ है। आज मेरे करोड़ों फॉलोअर्स हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर हैं, उन्हें मेरे बारे में सब पता है। मुझे उसमें कोई शर्म नहीं है और मैं किसी को जज भी नहीं करता। जहां मुझे नहीं बोलना होता, वहां मैं नहीं बोलता और वैसे ही अपनी पब्लिक को भी नहीं बोलता। बाकी मेरे घर में ना मीडिया वाले घुसते और ना ही फैंस क्योंकि सबकी एक सीमा होती है।

मेरे लिए फिजिकल और इमोशनल दोनों ही ट्रांसफॉर्मेशन मुश्किल हैं। अगर कोई बोले कि दो महीने के अंदर पूरा लुक बदलना है तो बहुत मुश्किल हो जाती है। मैंने करके देखा है इसलिए कह रहा हूं। फिजिकल के अलावा कई बार मेंटली ज्यादा चैलेंजिंग हो जाता है। दरअसल, बोला जाता है कि यह नहीं, वो नहीं खाना है, तीन महीने बाद यह करना है। मैंने भी करीब 110 दिन बहुत डिसिप्लिन से काम किया।

तुम करते हो तो कन्हैया मेरा नाम होता है

लोगों को लगा था कि 'बिग बॉस' से पहले मैं जॉबलेस था, जबकि अपनी वेब सीरीज शूट कर रहा था पर मैंने कुछ नहीं किया क्योंकि लोग कुछ भी बोलें, मुझे फर्क नहीं पड़ता। मैंने एक ब्लू हेयर थ्योरी पढ़ी थी। वह ऐसी होती है कि अगर मैं आपसे बोलूं कि आपके नीले बाल बहुत गंदे लग रहे हैं और आपके बाल नीले हैं ही नहीं तो मेरी बात अपने आप व्यर्थ हो जाएगी। ऐसा ही मेरा जीवन है। किसी की बात से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मेरा ऊपरवाले की कृपा से सब काम होता है। वो कहते हैं ना, 'तुम करते हो तो कन्हैया मेरा नाम होता है।'

पुलिसवालों के प्रति मेरी समझ बहुत बढ़ गई

एक कॉप का कैरेक्टर करने के बाद मेरी उनके प्रति समझ बहुत बढ़ गई है। कई बार हमें लगता है कि एयर होस्टेज का काम सिर्फ पानी और खाना देना है लेकिन ऐसा नहीं है। आप जब दूसरी तरफ का काम समझते हैं तो पता चलता है कि वह कितना महत्वपूर्ण है। वह आपातकाल परिस्थितियों में आपकी जान बचाती हैं। उन्हें मेडिकल नॉलेज भी दी जाती है। इसी तरह, जब पुलिसवाले को देखते हैं तो आपको लगता है कि अच्छा, यही उनका काम है लेकिन असल में उनका काम बहुत मुश्किल होता है। उसमें सही और गलत की परख करना मुश्किल है। एक पुलिसवाले के लिए, वो भी एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के लिए यह और कठिन हो जाता है। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट जो होता है, उसे एक सेकेंड में सही और गलत का फैसला करना होता है। कहां गोली मारनी है, हवा में चलानी है, पैर पर हिट करना है, मारना है या नहीं मारना है? यह जजमेंट उसे उसी पल लेना होता है। आप जब इस बात को समझते हो तो पुलिस के लिए बहुत रिस्पेक्ट बढ़ जाती है। उन्हें किसी के जीवन के बारे में फैसला लेना पड़ता है। यह बहुत मुश्किल और ट्रिकी सिचुएशन होती है।

टीवी जो मोहब्बत देता है, वो कोई नहीं दे सकता

टीवी और ओटीटी, दोनों मीडियम अलग हैं। टीवी ने मुझे बहुत प्यार दिया है। टीवी जो मोहब्बत देता है, वो कोई नहीं दे सकता। इसके जरिए आप हर घर में पहुंच जाते हैं। आज जितना मैं जाना जाता हूं, वह टीवी की वजह से है। वही वेब की एक रिच मार्केट और ऑडियंस है।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630